इब्रानियों, अध्याय चार

... हमारे धन्य प्रभु के बारे में अधिक जानना है। और यही हमारा—हमारा यहाँ एकत्र होने का उद्देश्य है, उसी उद्देश्य के लिए है, और, अब, और परमेश्वर के बीमार बच्चों के लिए प्रार्थना करेंगे। और आज सुबह हमारे पास एक—एक वचन से एक अद्भुत आशीष थी।

2 हम सभा के हर समय का एक भाग लेने की कोशिश कर रहे हैं... मैं इब्रानियों की पुस्तक में से शिक्षा को दे रहा हूँ, अब पिछले कुछ हफ्तों से इसे ले आ रहा हूँ। और अब, यदि प्रभु की इच्छा हुई तो, हम बुधवार की रात को जारी रखेंगे, फिर रविवार की सुबह को और रविवार की रात को, आगे, क्योंकि जब तक मैं इस समय पर यहाँ रहता है। ना ही एक बेदारीं, लेकिन यह ये बेदारी है, हमारी नियमित रातों में की एक सभा। और इसलिए हम इस समय आस पास के शहरों में के अपने अच्छे दोस्तों से मिलकर बहुत ही, बहुत ही खुश हैं, और यहाँ आस–पास के फॉल्स के शहरो में से दोस्तों से मिलकर। और यदि—यदि हमारा रद्द होता है या कुछ और होता है, तो हो सकता है कि प्रभु बहुत जल्द हमारी अगुवाई करेगा, कि... हो सकता है कि हमारे पास कुछ रातें हों सकती है, शायद, व्यायामशाला में या कहीं और हो सकती है, कुछ समय के बाद, यदि ऐसा दिखाई देता है कि प्रभु उस ओर अगुवाही करता है, उस स्थान की ओर, जहां हम अपने लोगों को एक साथ एकत्र कर सकें।

और हमने लोगों को देखा है, जब वे वहां आते है, वापस चले जाते है, कहते हुए, "इसमें अंदर आने के लिए—के लिए भी जगह नहीं थी।" बेशक, आराधनालय बहुत ही छोटा है। इसमें बहुत ही, बहुत ही कम लोग बैठते हैं, और हम बस बहुत ही खुश हैं कि आप बाहर आकर और गर्मी में बैठकर, प्रभु का वचन सुनने की इच्छा रखते हैं। और हम प्रार्थना कर रहे हैं कि परमेश्वर आपको अत्यन्त, बहुतायत से आशीष दे और आपकी सहायता करे।

3 और अब, आज रात, हम चाहते हैं, हम आरंभ कर रहे हैं 4थे–... आज सुबह यहाँ पर कितने लोग थे? आइए आपके हाथ देखते हैं। ओह, यह अद्भुत है, लगभग आप सभी थे। और हम इब्रानियों की किताब के 4थे

अध्याय से शुरुआत कर रहे हैं। ओह, क्या शानदार ही किताब है! क्या आप इसका आनंद ले रहे है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] और यह वचन से वचन की तुलना कर रहा है।

4 और पौलुस, इससे पहले कि वह कभी अपने अनुभव की गवाही देता, उसे पहले वहां अरब जाकर और वचन के द्वारा पता लगाना था कि क्या यह सच्चाई थी या नहीं। मैं इसे पसंद करता हूँ। और आज सुबह के विषय में, हमने पाया, आज सुबह की शिक्षा में, कि मसीह कल, आज और हमेशा एक सा है। और पौलुस ने पाया कि वही आग का खम्भा जिसने इस्राएलियों की अगुवाही की, दमिश्क के रास्ते पर उससे भेंट की थी। हमने पाया कि वो आग का खम्भा, जो इस्त्राएलियों को जंगल में से अगुवाही की, उस प्रतिज्ञा किए गए देश में, दमिश्क के रास्ते में पौलुस से मिला, और खुद को "यीशु" कहकर बुलाया।

5 तब हम यीशु मसीह की सच्ची सर्वोच्च दैविकता को देखते हैं। यहाँ सम्पूर्ण किताब बस यीशु मसीह का एक प्रकाशन है। और वो आया, हम देखते हैं कि, "परमेश्वर ने विविध समयों और भिन्न–भिन्न तरीको सें, भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा पूर्व पिताओ से बातें कीं; इस अन्तिम दिनों में अपने पुत्र, यीशु मसीह के जरिये से, उसने स्वयं को प्रगट किया है।" और उत्पत्ति से लेकर प्रकाशितवाक्य की किताब प्रभु यीशु के एक निरंतर, सनातन, प्रकाशन के अलावा और कुछ भी नहीं है।

6 और हम पाते हैं कि वही वो एक था जो उस जलती हुई झाड़ी में था। हम देखते हैं कि वही वो एक था जो दुनिया की बुनियाद डालने से पहले परमेश्वर के साथ था। और हम इसे पाते हैं, नए नियम में, वो परमेश्वर और मनुष्य एक साथ था। और फिर जब उसने नये नियम को छोड़ा, स्वर्ग में जाने के लिए, तो उसने कहा, "मैं परमेश्वर से आया हूं, और मैं परमेश्वर के पास वापस जाता हूं।"

7 और बाद में जब पौलुस ने उससे भेंट की, तो वह उसी रूप में था जब उसने इस्राएल का नेतृत्व किया था, जो एक अग्नि के खंभा था। और पौलुस ने सीधे उसके मुख की ओर देखा, अपरिवर्तित होकर, और इसी कारण से उसके शेष दिनों में उसकी आंखों में परेशानी रही थी। वह अंधा हो गया, और कई दिनों तक वह कुछ भी नहीं देख सका। उसे सीधी नामक गली में अगुवाही करके ले जाना था।

8 और वहां परमेश्वर का एक भविष्यव्यक्ता था जिससे उसने बात की, जिसका नाम हनन्याह था, जो अंदर आया, एक दर्शन के द्वारा, और उसने पौलुस पर हाथ रखकर, और कहा, "भाई शाऊल, अपनी दृष्टि को ले लो।"

9 और उसके बाद हम पाते हैं कि वही पवित्र आत्मा, वही प्रभु यीशु, प्रकाश के रूप में पतरस के पास आया और उसे जेल में से बाहर निकाला।

10 और हम पाते हैं कि वही प्रभु यीशु, इन दिनों में, अभी भी उस आग के खंभे (प्रकाश) में हैं जो अपने लोगों की (उसकी कलीसिया) का नेतृत्व कर रहा है, उसी कार्य को करते हुए, दर्शनो को देते हुए; अंदर आकर और एक दर्शन के द्वारा लोगों पर हाथ रखता है। प्रभु यीशु, जिसने पिछले रविवार की सुबह घर पर भेंट की, और कहा कि एक व्यक्ति आ रहा है, जिसका सिर काला है, पके बाल है। वह एक यूनानी है। उसकी पत्नी मध्य आयु की है, और वेदी पर रो रही होगी।

11 उनमें से कुछ ने इसे बताया था, और जानते हैं कि यह हो रहा था। उसे दोनों ही था वो अपंग था, और उसके सिर में की वो—वो संतुलन करने वाली नस जा चुकी थी। वह यहाँ तक अपने पैरों या अपने अंगों पर भी नियंत्रण नहीं रख सकता था। और वह अंधा था। और इसे दोहरा प्रमाण बनाने के लिए: मेरे पास बीमारों के लिए प्रार्थना करने के लिए पहले एक छोटी महिला थी, फिर पीछे की ओर मुड़कर और भाई थॉम को प्रार्थना के लिए आना था। और हम, यहाँ बैठे हुए, इसे विकसित होते हुए देख रहे थे। और फिर मैं वहां नीचे गया और बीमारों के लिए प्रार्थना की, और वापस चलकर गया। और वह बिल्कुल ठीक दर्शन के अनुसार आयी, और मेरे हाथ को पकड़कर और रोने लगती है, और कहा डॉ. एकरमैन ने उन्हें यहां भेजा था। डॉ. एकरमैन मेरे, गहरे मित्र हैं, जो कैथोलिक है। उनका लड़का ईसाई मठ में एक याजक है, सेंट मीनराड में—में, और जो वहां नीचे इंडियाना में है। और यह मनुष्य जैस्पर से था। और प्रभु ने उसे उस कुर्सी पर से चंगा किया। वह उठा और चलने लगा। वह किसी भी और की तरह अच्छी तरह देख सकता था। और सामान्य और चंगा होकर ईमारत से बाहर चला गया। सब एक दर्शन के द्वारा!

12 "भाई शाऊल, प्रभु यीशु, जो मार्ग में तुझ पर प्रकट हुआ, उसी ने मुझे भेजा है, कि मैं तुझ पर हाथ को रख सकूँ, जिससे कि तुम अपनी दृष्टि को

पा सको और पवित्र आत्मा से भर जाओ।" अद्भुत।

13 "तब हम पाते हैं, यह देखते हुए कि हमारे पास यह महान उद्धार है, हमें नहीं चाहिए... हम परमेश्वर के दंड और क्रोध से बच कर नहीं निकल सकते, यदि हम इतने महान उद्धार को अनदेखा करते हैं।"

14 अब हम आज रात को पढ़ना आरंभ करने जा रहे हैं, और इब्रानियों की किताब से 4था अध्याय आरंभ करेंगे। यदि कोई हमारे साथ पढना चाहता है, तो हमारे पास यहां कुछ बाईबल हैं। यदि वे एक बाईबल को चाहते है, इसलिए, संचालक करने वालों में से कोई एक इसे आपके पास लेकर आएगा, क्या आप अपने हाथ में इन—इन बाईबलो को उठायेंगें। यदि यहाँ के भाइयों में से एक इसे लेकर... वहाँ पर मैं सोचता हूँ दो बाइबलें रखी हुई हैं।

15 और अब हम जल्दी करेंगे, क्योंकि थोड़ी देर बाद हम प्रभु भोज भोज को लेंगे। और जहां पर हम आज रात समाप्त करेंगे, वहां से बुधवार की रात हम फिर से आरंभ करेंगे। अब, मुझे विश्वास है, आज सुबह हमारी शिक्षा में, हमने 15वें पद पर शुरुआत की।

16 कोई तो, हो सकता है मुझे नहीं जानता कि मैं पढ़ते वक्त चश्मा लगाता हूँ। मैं बूढ़ा हो रहा हूँ। और मैं अब भी पढ़ सकता हूं, लेकिन मैं इसे जल्दी से नहीं पढ़ सकता हूँ, विशेषकर जब मैं यहां अच्छी तरह से पढ़ता हूँ, जब बढ़िया छपाई होती है।

17 और मैं अपनी आंखों की जांच करवाने गया, यह देखने के लिए कि कहीं मेरी दृष्टि घटती तो नहीं जा रही है। मेरी आँखें दस–दस थीं। उसने कहा, "लेकिन तुम चालीस के पार हो गए हो, पुत्र।" उसने मुझे पढ़ने के लिए एक चीज़ दी थी, उसने कहा, "इसे पढ़ना शुरू करो।" मेंने इसे पढ़ा। और मैं नजदीक आता रहा, यह धीमा और धीमा होता गया। और यह *इस* तरह हो गया, मैं रुक गया। फिर उसने वहाँ दस–दस लिख दिया, मैं उसे कहीं से भी पढ़ सकता था। लेकिन उसने बताया, "ये क्या है, जब आप चालीस के पार हो जाते हैं, तो आपकी आंखो की पुतलीयां फीकी पड जाती हैं।"

18 अब, मैं अपनी आंखें सिकुड़ सकता हूं और बस मेरे *इतने* नजदीक से पढ़ सकता हूं, लेकिन आपको सिकुड़ना होगा। सो, उसने मेरे लिए बस एक जोड़ी चश्मा बनाया। मैं इसे कहीं से भी देख सकता हूं, जब यह मेरे काफी

नजदीक होता है। अब, जब इसे मुझ पर से उतारता हूँ, तो इन चीजों के साथ बिल्कुल भी नहीं देख सकता। लेकिन मैंने उन्हें पढ़ा, इस चश्मे को लगाकर पढ़ा।

19 अब, आज सुबह, हमारे पास इब्रानियों के 3रे अध्याय का अंतिम भाग था। और, ओह, हम क्या ही भरपूर मूल दाने को देखते हैं! अब सुनना, मैं फिर से पढ़ना चाहता हूं, जिससे कि हमें अब एक बुनियाद मिले। इस पर बात नहीं करेंगे, लेकिन इस पर थोड़ा सा जायेंगे।

> *जबकि कहा जाता है कि आज के दिन यदि* तुम... *उसकी आवाज सुनो, अपने हृदय को कठोर न करो जैसा क्रोध दिलाने के समय किया था।*
>
> *भला किन लोगों ने,* उन्होंने वचन सुना, *जब उन्होंने* वचन को *सुना, था, तो क्रोध दिलाया: क्या उन सब ने नहीं जो मूसा के द्वारा मिस्त्र से बाहर निकले थे।*

20 अब, उसमें, आज सुबह, हम यह देखते हैं कि उसने कहा, "अब अपने हृदय को कठोर ना करो, जैसा कि क्रोध दिलाने के दिनों में किया था।" यही है जब उन्होंने परमेश्वर को क्रोध दिलाया, क्योंकि उस ने अपने भविष्यद्वक्ता मूसा को उनके लिए दिया था, और एक चिन्ह जो मूसा के साथ था। आज रात कक्षा में कितने लोग जानते हैं कि वो चिन्ह क्या था? अग्नि का खंभा, इब्रानियों 13।

21 अब, हम नहीं जानते कि सभा के लोगो ने उस चिन्ह को देखा या नहीं। लेकिन मूसा ने इसे देखा, क्योंकि मूसा ने पहले उससे जलती हुई झाड़ी में भेंट की। वो एक आग थी। और इस्राएल की संतान ने मूसा की आज्ञा मानी, और मिस्र देश से निकल गए। और जैसे ही वे मिस्र से बाहर निकले, हम देखते है, परमेश्वर सीधे उन्हें उस जाल की ओर लेकर गया। जहां उनके पीछे फिरौन की सेना थी, ओर आगे की ओर लाल समुद्र था, और परमेश्वर ने उन्हें परीक्षा में डाला; और वे डर गए। और इसने परमेश्वर को क्रोध दिलाया। उसने कहा, "तुम मेरी क्यों दोहाई देते हो?" कहा, "बस बोलो और आगे बढ़ो।" मैं इसे पसंद करता हूँ।

22 अब, वे मूसा के पीछे–पीछे चल रहे थे, जैसे मूसा उस खंभे और बादल के पीछे–पीछे चला, और वे प्रतिज्ञा किये गए देश के रास्ते पर थे। आज रात ये कलीसिया की सुंदर तस्वीर, उसी आत्मा के नेतृत्व में,

प्रतिज्ञा किए गए देश के रास्ते में, वही चिन्ह और अद्भुत कार्य जैसे परमेश्वर ने बोले थे।

23 अब ध्यान दे। तब, वे पाप के जंगल में आये। वो—वो पानी जो "कड़वा," था, *माराह*। परमेश्वर उन्हें कड़वे जल की ओर क्यों ले आया? ऐसा दिखाई देता था कि वह उन्हें अच्छे जल की ओर ले लेकर गया होगा। लेकिन वो उन्हें कड़वे जल की ओर ले गया जिससे कि वो उनके विश्वास को साबित कर सके। वो ऐसा करना पसंद करता है। वह आप पर आपत्तियों को आने देना पसंद करता है, यह दिखाता है कि वह आपको अपने प्रेम और अपनी सामर्थ को दिखा सकता है। किस तरह से भला आज लोग कर सकते हैं, जो परमेश्वर के अद्भुत–कार्य में विश्वास नहीं करते, जब आपत्तियां आती हैं, तो वे हार मान लेते हैं और चले जाते हैं? लेकिन हम विश्वास करते हैं कि "परमेश्वर अद्भुत कार्यों को करता है।" वह नहीं... परमेश्वर के...

24 इस बात को सुनना। यदि विश्वास उसी कार्य को नहीं करता है, जब वही परिस्थितियाँ ऊपर आने लगती हैं, तब परमेश्वर उसके लोगों के प्रति पक्षपाती होने का दोषी ठहरता है। परमेश्वर की प्रभुत्वा उससे हर मामले में काम करने की मांग करती है जैसे उसने पहले मामले में किया था, या तो वो गलत था जब उसने पहले मामले में काम किया। यदि परमेश्वर उसी तरह से कार्य नहीं करता जैसा उसने पहले मामले में किया था, यदि वह दूसरे मामले से भिन्न कार्य को करता है, तो जब उसने पहले मामले पर कार्य किया तब उसने गलत काम किया था। यदि परमेश्वर ने पुराने नियम में बीमारों को चंगा किया, तो उसे इसे नए नियम में करना होगा और आज भी, या तो जब उस ने उन्हें वहां पहले चंगा किया, तब उसने गलत किया। उसे हर समय उसी तरह की प्रतिक्रिया करना होता है। और वो इसे करेगा, जब वही विश्वास शर्त को पूरा करता है। दोष हम में है, परमेश्वर में नहीं। क्योंकि हम उसे थोड़े पर ही देखते हैं, और बहुत से, महान उत्कृष्ट चमत्कार को। हम इसे जानते है। निंदक नहीं कह सकते, "ये ऐसा नहीं है।" क्योंकि इसे हम देखते हैं, ये इसे साबित करता है, और वहां पर ये है।

25 वे हमेशा कहते है, "मुझे एक अद्भुत कार्य दिखाओ।" वे अब इसे और नहीं कह सकते। विज्ञान ऐसा अब और नहीं कह सकता। हम वैज्ञान की

दुनिया को पूरी तरह से साबित कर सकते हैं। और वैज्ञानिक दुनिया ने इस बात को देखा है कि एक अलौकिक सत्व, एक अग्नि के स्तंभ के रूप में, हमारे साथ है। यहाँ पर उसकी तस्वीर है, ठीक यहाँ, और एक तस्वीर आज रात वाशिंगटन, डीसी में लटकी हुई है। ये वही मसीह है।

26 इसलिए, कुछ समय के लिए, मेरे सेवक भाई मुझसे अक्सर कहते रहते थे, "ओह, भाई ब्रंहम, यह शैतान है। आप इसके साथ मूर्ख मत बनो।" मुझे डरा दिया था।

27 और मैं उसका प्रचार तब तक नहीं करूंगा जब तक कि परमेश्वर आकर और इसे प्रगट नही करता, कि, "यह वही यीशु है, वही वो एक है।" ओह, फिर इसे मुझमें से निकालने की कोशिश करते है? ऐसा नहीं किया जा सकता है। क्योंकि, यह वचन है। यह परमेश्वर का वचन है। यह बस ऐसा ही एक अनुभव नहीं है जो गलत है। यह एक ऐसा अनुभव है जो परमेश्वर के वचन और परमेश्वर की अनन्त धन्य प्रतिज्ञा के द्वारा समर्थन किया गया है।

28 अब, हम यहाँ पर तब ध्यान देते हैं, कि उसने कहा।

क्योंकि कुछ लोगो ने, जब उन्होंने सुना, तो उन्होंने क्रोध दिलाया:...

निश्चय ही। वे थक जाते, हर समय वे एक ऐसे स्थान पर पहुँच जाते जहाँ एक बल परीक्षा आ जाती। फिर वे क्या करते? वे ढीले पड जाते, और थक जाते, और वापस पीछे मुड़ना चाहते, और कहते, "मेरे साथ *ऐसा* क्यों हुआ? "

29 अजीब बात है, आज सुबह, इस प्रचार को करने के बाद बस जितना परिश्रम से मैं कर सकता था मैंने किया, बहुत से लोग वेदी के पास आए थे और इस सवाल को पूछा, "ऐसा मेरे साथ क्यों होता है? " आपने देखा कि यह किस तरह से जाता है? यह लोगों के सिर के ऊपर से जाता है। यह वही लोग है।

30 यीशु ने कहा, "तुम्हारे पास आंखें हैं, लेकिन तुम देख नहीं सकते।" उसने ऐसा चेलो से कहा।

31 उन्होंने कहा, "लो, अब तुम साफ–साफ बात करते हो। अब हम विश्वास करते हैं। किसी मनुष्य को आपको कुछ भी बताने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि परमेश्वर इसे आपको दिखाता है।"

32 उसने कहा, "इतने समय के बाद क्या अब तुम विश्वास करते हो? " देखा?

33 आपके लिए अवश्य है कि परमेश्वर से कुछ भी सवाल ना करे। "क्योंकि मनुष्य की पदचिन्ह यहोवा की ओर से दृढ़ होते है।" और हर एक परीक्षा आप पर डाली जाती है, ताकि आपको साबित करे। और बाईबल ने कहा, "वे आपके लिए सोने से ज्यादा बहुमूल्य हैं।" तो यदि परमेश्वर ने आपके लिए कुछ हल्के कष्ट होने देता हैं, याद रखें, यह आपके सुधार के लिए होता है। "हर एक पुत्र जो परमेश्वर के पास आता है, उसकी अवश्य ही पहले परमेश्वर के द्वारा ताड़ना होनी है, और उसकी परीक्षा होनी है, बाल–प्रशिक्षित।" कोई आपत्ति नहीं है। "हर एक पुत्र जो आता है।" और ये दुःख दिए जाते हैं, वे लाए गए हैं, यह देखने के लिए कि आपका रवैया क्या होगा। देखा? यह परमेश्वर है, इस साबित करने वाली–जमीन पर। यही वो सारी धरती है, जो प्रमाणित करने वाली भूमी है, और जहाँ वह आपको साबित करने की कोशिश कर रहा है।

34 अब सुनना, जैसे हम आगे बढ़ते हैं। और मैं इसके अंतिम भाग को लेना चाहता हूं।

उस ने *किन से शपथ खाई, कि तुम मेरे विश्राम में प्रवेश करने न पाओगे,...*

अब, यही है जहां हम आज रात आ रहे हैं।

... उसके विश्राम में, परन्तु उनके लिए जिन्होंने विश्वास नहीं किया?

तो हम देखते हैं कि वे प्रवेश नहीं कर सके... अविश्वास के कारण।

35 अब, पाप क्या है? अविश्वास। परमेश्वर उनके पास अग्नि के खम्भे में आया था; और उसके भविष्यद्वक्ता को भेजा, और उसका अभिषेक किया, और उसे लोगों के साम्हने करने के लिए चिन्हों को दिया। और तब अग्नि का खम्भा, भविष्यद्वक्ता के द्वारा, उन्हें बाहर निकाला। हर एक परिस्थिति में वे आते है, वे कुढ़कुढाना आरंभ करते हैं और कहते हैं कि हर एक छोटी गलती वे मूसा के साथ पाते है, उसके विरोध में फटकार करते और झिड़कने लगते है। और परमेश्वर अप्रसन्न हुआ था, क्योंकि उस ने कहा कि वे पाप कर रहे हैं।

36 उन्हें सुनना चाहिए था। लेकिन, बजाये इसके, उन्होंने तर्क को सुना, "ऐसा भला कैसे हो सकता है? ये बातें भला कैसे हो सकती हैं? " यदि वह परमेश्वर है, तो सब कुछ संभव है। और उनके लिये यह सब बातें मिलकर भलाई ही को उत्पन्न करेगी जो उस से प्रेम रखते हैं।

37 अब हम यहां एक महँ अध्ययन पर जा रहे हैं, जो कि "विश्राम," पर है वो *सब्त*। अब, वे उनकी यात्रा में परदेसी थे। देखा? वे वहां मिस्र में रहे, चार सौ वर्ष तक, और बंधुवाई में रहे। और अब वे परमेश्वर के अद्भुत कार्यो के द्वारा, उसकी प्रतिज्ञा के अनुसार, निकाले गए थे। और वे उनके मार्ग पर प्रतिज्ञा देश की ओर जा रहे थे। और यहाँ उनके बीच में एक अलौकिक प्रकाश प्रकट होता है, और उनका नेतृत्व करने लगता है।

38 अब कोई तो कहता है, "अब यहाँ देखो, यह मूसा है कौन? किसने तुम्हें हम पर अधिकारी बनाया? क्या तुम हम में से एक नहीं हो? तुम्हे हमारा अधिकारी बनने के लिए किसने यहाँ पर रखा? तुम सोचते हो कि तुम हमारे पास्टर से ज्यादा जानते हो? तुम सोचते हो कि तुम याजक से ज्यादा जानते हो? तुम सोचते हो कि तुम—तुम इस दिन के हमारे धार्मिक पुरुषों की तुलना में अधिक चतुर हो? " इसका इससे कोई लेना–देना नहीं था।

यह अग्नि के खंभे में परमेश्वर था, जो इस बात को प्रमाणित कर रहा था कि वो उस गतिविधि में था। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन चतुर था और कौन चतुर नहीं था। ये तो उसके पीछे का विचार था जो परमेश्वर ने उनके सामने रखा।

39 क्योंकि, मूसा ने जब तक शारीरिक रूप से मूर्खता के काम को किया जब उसने परमेश्वर के वचन के द्वारा सन्तानों को छुड़ाने की कोशिश की, लोगों के झुंड को वहां जंगल में लेकर जाते हुए। जब उसने उसके... क्योंकि, उनके पास जो कुछ भी था वो उसका वारिस था। उसके पास वहां पूरी दुनिया में की हर एक सेना थी, आदेश के साथ। और वहाँ वह था, एक महान सैन्य प्रधान था। और उसका अगला कदम, उसे मिस्र का फिरौन, राजा बनना था। इसलिए, वह बस सिंहासन पर चढ़ सकता था, और कह सकता था, "तो ठीक है, बच्चों, वापस अपने घर चले जाओ।" इससे बात ख़त्म हो जाती; वो एक फिरौन था। लेकिन मूसा...

40 ओह, यहाँ है ये। मूसा ने *विश्वास* के द्वारा परमेश्वर की प्रतिज्ञा को देखा। और प्रभु का दूत उसके पास आया, और वह उस दूत की उपस्थिति में पांच मिनट में ही परमेश्वर के बारे में उसे और अधिक जान गया, जो उसने मिस्र के शिक्षकों से चालीस वर्षों में सीखा था। वह जानता था कि वो था। उसने अलौकिक को देख लिया था।

41 उसने कहा, "मैं तुम्हारे साथ रहूंगा, मूसा। मैं तुम्हारे आगे जाऊँगा।" और वे समझ गए। और वो उसे प्रदर्शन करने के लिए चिन्हों को देता है।

42 अब, वे विश्राम के देश की ओर अपने मार्ग पर थे। परमेश्वर ने उन्हें विश्राम दिया था, एक ऐसी जगह जहां उन्हें... उन पर सख्ती से काम करवाने वाले नहीं होंगे, कि उन्हें परिश्रम करवाए, कि उन्हें काम करने को लगाये।

43 आज की ये कितनी सुंदर तस्वीर है, जब हम कलीसिया की ओर देखते हैं और कलीसिया को उसकी परिस्थिती में देखते हैं। हर एक मनुष्य जो परमेश्वर के आत्मा से जन्मा है, संसार से घृणा करता है, "और यदि तुम संसार से या संसार की चीजो से प्रेम रखते हो, तो परमेश्वर का प्रेम तुम में है ही नहीं।" यही है जो बाईबल ने कहा। और सच्चे यात्री, अपने मार्ग पर, बस संसार की चीजों से घृणा करते है। वह मनुष्यों को शराब पीते देखकर घृणा करता है। वह मनुष्यों को धूम्रपान करते हुए देखकर घृणा करता है। वह ऐसी महिलाओं को सड़क पर देखकर घृणा करता है, जो उनके छोटे पुराने गंदे कपड़े पहने हुए होती है। वह पासा फेकने और ताश के पत्तो की पाटियों को देखकर घृणा करता है।

44 और कल, जबकि भाई टोनी... मतलब भाई वुड और मैं सड़क से आ रहे थे, और कुछ और, कुछ पुरुष... वहां लुईसविले में एक छोटी महिला थी, जो सड़क पर से आ रही थी, सुंदर दिखने वाली छोटी महिला, जिसने ऐसे कपड़े पहने थे जो बहुत ही ख़राब थे; बस कूल्हे पर थोड़ा सा ऊपर की ओर, और उसके कूल्हों पर दोनों तरफ बंधी एक छोटी सी रिबन, और उसके सामने एक छोटा सा गोल कपडे का टुकड़ा, और पीछे एक डोरी से बंधा हुआ। सड़क पर चलते हुए, बहुत ही भयानक, और सड़क पर हर एक व्यक्ति उसकी ओर देख रहा था। मैंने कहा, "वह नहीं जानती कि वह परमेश्वर की दृष्टि में दोषी है, और हर उस पुरूष के साथ व्यभिचार कर रही

है जिसने उसकी ओर उस ढंग से दृष्टि की। और उस स्त्री को न्याय के दिन पर उन पुरुषों के साथ व्यभिचार करने के लिए उत्तर देना होगा।"

45 यीशु ने कहा, "जो कोई किसी स्त्री को उसकी ओर अभिलाषा से देखता है, वो उसके साथ पहले ही व्यभिचार कर बैठा है।" यह सही बात है।

46 सो, आप देखना, भाई वुड ने मुझसे कहा, "इसके लिए आप क्या मानते हैं, भाई ब्रंहम? "

47 मैंने कहा, "यह या तो मानसिक कमी है या तो शैतान का अधिकार।" इसे ऐसा बनाने के लिए केवल दो ही बातें हैं। एक सभ्य, साफ–सुथरी स्त्री ऐसी चीजों को तब तक नहीं पहनेगी जब तक कि वो शैतान से त्रस्त न हो। यह बिल्कुल सच बात है।

48 अब, एक यात्री जो उसके स्वर्ग के मार्ग पर है, वो एक अलग ही वातावरण में रहता है। आपको उसके बारे में चिंता करने की आवश्यकता नहीं है उसकी ओर देख रहा है। वो अपने सिर को घुमा देगा यदि उसके ह्रदय में परमेश्वर है, क्योंकि वो ऐसे वातावरण में रह रहा है जो उन चीजों से एक लाख मील दूर है। सही बात है। आप न्याय के समय उस चीजो के लिए दोषी नहीं होना चाहते। तो वह सिर को घुमाकर और कहता है, "परमेश्वर, महिला पर दया कीजिये," और वो आगे चला जाता है। हम हमारी यात्रा में हैं। हम हमारे कनान देश की ओर जा रहे हैं। हम उस अनन्त और धन्य विश्राम के मार्ग में हैं जिसे परमेश्वर ने हमें दिया है। और यात्रा में, हमारी परीक्षा हुई है। हम सभी प्रकार की चीजों के लिए परीक्षा में पड़ते हैं, लेकिन फिर भी पाप किए बिना परीक्षा में पडे।

49 अब ध्यान दें, जैसे हम 4थे अध्याय में जाते हैं, "इसलिए हम डरें।"

इसलिये जब कि उसके विश्राम में प्रवेश करने की प्रतिज्ञा अब तक है, तो हमें डरना चाहिए,...

50 मैं चाहता हूं कि आप यह याद रखें, कि, जब तक हम पता नहीं लगा लेते, जब तक कि परमेश्वर इसे हम पर प्रकट नहीं करता! इससे कोई फर्क नहीं पड़ता हम कितना भी कलीसिया में जाएं, इससे कोई लेना–देना नहीं है। परमेश्वर अवश्य ही प्रकाशन के द्वारा आना है और अपने आप को हम पर प्रकट करना है, जो दुनिया की सभी चीजों को बाहर निकाल देता है। "अब, जबकि यह कहा गया है, 'आज यदि तुम... '"

51 अब आइये उस—उस 4थे अध्याय को शुरू करते हैं।

इसलिये जब कि उसके विश्राम में प्रवेश *करने की प्रतिज्ञा अब तक है, तो हमें डरना चाहिए,...*

52 अब याद रखे, जब वे विश्राम के मार्ग पर थे, तो अग्नि के खंभा उनकी अगुवाई कर रहा था। अब हम जानना चाहते हैं, "यह विश्राम क्या है? "

अब आओ... जब कि उसके विश्राम में प्रवेश *करने की प्रतिज्ञा अब तक है, तो हमें डरना चाहिए,* (देखो) *ऐसा न हो, कि तुम में से कोई जन उस से रहित जान पड़े।*

53 अब, यहाँ वो प्रतिज्ञा है। यहाँ हमें डरने की आवश्यकता है: यदि वहां हमारे लिए अब तक कोई प्रतिज्ञा है। लेकिन एक प्रतिज्ञा है! और फिर, अगली चीज, कोई जन उस से रहित ना जान पड़े।

54 अब, विचार यह है कि यदि हम विश्राम के मार्ग पर हैं, तो विश्राम क्या है? ये कहाँ है? क्या यह कलीसिया से जुड़ना है? क्या यह किसी एक तरह से बपतिस्मा लिया जाना है? क्या यह शहर के सबसे बड़े कलीसिया का सदस्य बनना है? क्या बेहतर कपड़े पहनना है? क्या पढाई–लिखाई करना है? क्या यह पैसा है, सो क्या हम काम को छोड़ सकते हैं और बस ऐसे ही पड़े रहे, हमारे बचे हुए जीवन में विश्राम करे, जैसा कि हम इसे कहते हैं? यह ऐसा नहीं है।

55 सुनना बाईबल क्या कहती है कि ये क्या है, और हम इसे कैसे प्राप्त करे।

जब कि उसके विश्राम में प्रवेश *करने की प्रतिज्ञा अब तक है, तो हमें डरना चाहिए, ऐसा न हो, कि तुम में से कोई जन उस से रहित जान पड़े।*

क्योंकि हमें (तब उस दिन) *उन्हीं की नाईं सुसमाचार सुनाया गया* था:...

सुसमाचार क्या है? अच्छी खबर। मिस्र में उनके लिए अच्छी खबर आई, कि, "परमेश्वर ने एक छुड़ाने वाले को भेजा है, और वह हमें बाहर निकालेगा और हमें प्रतिज्ञा किये गए देश में लेकर जाएगा।"

56 अब हमारे लिए अच्छी खबर है, कि, "परमेश्वर ने एक छुड़ाने वाला भेजा है, वो पवित्र आत्मा, और हम प्रतिज्ञा किये हुए देश के मार्ग पर हैं।"

अब लोगों ने इसे संस्था और संप्रदाय बना लिया है, लेकिन परमेश्वर अभी भी बना रहता है, हमारा *विश्राम* "पवित्र आत्मा" है।

57 ध्यान दे।

> *... सुसमाचार प्रचार हुआ* था... *उन्ही* की नाई हमें सुनाया गया: *पर सुने हुए वचन से उन्हें कुछ लाभ न हुआ, उस...*

याद रखना:

> *... पर सुने हुए वचन से उन्हें कुछ लाभ न हुआ, क्योंकि ये सुनने वालों के मन में विश्वास के साथ नहीं बैठा।*

58 ओह, मेरे भाइयों, मुझे यहाँ एक मिनट के लिए रुकने दो। कोई फर्क नहीं पड़ता कि वचन का कितना प्रचार किया गया है, आपने कितना अच्छी तरह से इसे पसंद किया है जिस तरह से इसका प्रचार किया गया है, जब तक कि आप स्वयं उस के भागीदार नहीं होते, इससे आपका थोड़ा भी लाभ नहीं होगा।

> *... उनके* द्वारा *विश्वास के साथ मिश्रित नहीं किया जा रहा है जिन्होंने इसे सुना है।*

59 उन्होंने मूसा के अद्भुत कामो को देखा। उन्होंने कहा, "यह बहुत अच्छा है।" और वे चल पड़े। उन्होंने—उन्होंने उसे अद्भुत कार्यो को करते देखा। और उन्होंने अग्नि के खंभे को देखा, हो सकता है, या उन्हें इसके बारे में बात करते सुना। "ओह, यह ठीक है।"

60 लेकिन यह व्यक्तिगत विश्वास के साथ सही नहीं बैठा। क्योंकि जैसे ही वे जंगल में पहुंचे, वे (हर एक) कुढ़कुढाने लगते हैं। और परमेश्वर ने कहा, "क्योंकि उन्होंने संदेह किया, यह पाप था।" कुछ भी संदेह ना करे। विश्वास करे। संदेह ना करे, कोई फर्क नहीं पड़ता परिस्थिति कितनी भी कठिन क्यों न हो, इसे विश्वास करे।

61 अब उन्होंने कुढ़कुढाना आरंभ किया, और परमेश्वर ने उनके विरुद्ध निर्णय लिया। और फिर उसने उसके क्रोध में शपथ खाई, कि, "वे कभी भी उसके विश्राम में प्रवेश करने नहीं पाएंगे।" और बाईबल ने यहाँ कहा, मैं सोचता हूँ कि यह उस—उस 3रे अध्याय में है, कि, "उनकी लोथे जंगल में पड़ी रही।"

62 तीसरा अध्याय और 17वां पद।

लेकिन वह चालीस वर्ष तक किन लोगों से रूठा रहा? क्या उन्हीं से नहीं, जिन्हों ने पाप किया, और उन की लोथें जंगल में पड़ी रहीं?

63 और वे सारे जो मिस्र से बाहर निकले, उनमें से केवल दो ही प्रतिज्ञा किए हुए देश के अंदर गए। सारे विनाश पूर्व दुनिया में से, बीते दिनों में, अरबों लोगो में से आठ प्राण बचाए गए थे। "क्योंकि सकेत है वह फाटक और सकरा है वह मार्ग, और थोड़े हैं जो उसे पाते हैं।"

64 कुछ लोग कहते हैं, "फिर, भाई ब्रंहम, इन सभी हज़ारों के बारे में क्या जो बाईबल ने कहा कि वे वहाँ उपस्थित होंगे? "

बस याद रखें कि हर एक पीढ़ी में कितने लोग मरे हैं, जो कि हर युग में से होते हुए मसीही रहे हैं। वे सभी जी उठेंगे। जिससे वो देह बनती है। आप उम्मीद करते हैं कि इस अमेरिका में सौ अरब होंगे, बाहर आएंगे, या कुछ और, आज इस दुनिया में। हो सकता है कि पचास भी बाहर न आए। लेकिन वो महान छुडाई हुई कलीसिया वहां मिट्टी में पड़ी हुई है, प्रतीक्षा कर रही है। वे परमेश्वर के रत्न हैं जो मिट्टी में विश्राम कर रहे हैं। लेकिन उनके प्राण परमेश्वर की वेदी के नीचे हैं। वे अपनी सही स्थिति में नहीं हैं। वे एक शरीर में हैं, वास्तव में, एक लेकिन दैविक शरीर। और वे परमेश्वर को पुकारते हैं, "और कब तब? " वे एक–दूसरे को देख तो सकते है, लेकिन वे एक–दूसरे से हाथ नहीं मिला सकते, ये उस तरह का शरीर है।

65 आज रात आप अपनी माँ से महिमा में मिलेंगे, यदि आप जायेंगे तो, आप उसका हाथ नहीं मिला सकते क्योंकि उसके पास उस तरह का हाथ नहीं है। आप उस तरह से महसूस नहीं कर सकते जैसे आप अभी महसूस करते है। क्योंकि, इस देह में पांच इंद्रियों को डाला गया है, जो इसे नियंत्रित कर सकता है। उसकी उपस्थिति को एक अलग वातावरण में महसूस किया जायेगा।

66 यह एक पति और पत्नी के जैसे ही है। वहां कोई विवाह नहीं होगा, या स्वर्ग में विवाह में नहीं दिया जाता है। क्यों? क्योंकि एक भिन्न प्रकार का प्रेम होता है। वहां कोई यौन इच्छा नहीं होती है। वे सारी चीजे जा चुकी हैं। आप शुद्ध और पवित्र हुए हैं।

लेकिन आप उस अवस्था में कभी नहीं रहे है, इसलिए आप उस अवस्था के लिए नहीं बने थे। आप बस वहां प्रतीक्षा कर रहे हैं। लेकिन आप वापस आने की लालसा कर रहे हैं जहां आपको एक पुरुष और एक महिला बनाया गया था, और वहां परमेश्वर उस देह को धरती की मिट्टी में से उठाकर और इसे महिमावंत करेगा। तब आप देखेंगे, चखेंगे, महसूस करेंगे, सूंघेंगे और सुनेंगे, और मिलेंगे–जुलेंगे। हम कभी नहीं जान पाएंगे...

हम एक दूत के जीवन का आनंद कभी भी नहीं ले सकते। हम दूत नहीं बनाए गए थे। परमेश्वर ने दूतो को बनाया। लेकिन उसने आपको और मुझे, पुरुष और स्त्री को बनाया। यही वह अवस्था है, जिसमें हम हमेशा के लिए होंगे, उसके धन्य आगमन पर।

67 अब, देखो वे कैसे कम पाए गए, क्योंकि उन्होंने पाप किया और महिमा से रहित हो गए। परमेश्वर ने उन्हें अग्नि का स्तंभ खंभा दिखाया। उसने उन्हें चिन्ह और अद्भुत काम दिखाए। उसने उन्हें बाहर निकाला। वो उन्हें परिक्षा में लेकर आया, ताकि उन्हें परखे और साबित करे।

68 अब, क्या आपके पास बहुत सारी परीक्षाये नहीं थी? उनके बारे में शिकायत ना करे। आनंद करो। परमेश्वर आपके साथ है। वो आपके विश्वास को साबित करने की कोशिश कर रहा है। पुराने नियम में अय्यूब की ओर देखो, जब उसने कहा, "क्या तू ने मेरे दास अय्यूब के बारे में विचार किया है, जो एक धर्मी पुरुष, सिद्ध पुरुष है? उसके समान धरती पर कोई नहीं है।"

69 "ओह," उसने कहा, "यकीनन, आपने उसके चारो ओर बाड़ा डाला हुआ है: उसके पास कोई तकलीफे नहीं है, कोई चिंता नहीं है। उसके पास कोई धन–संबंधित बोझ नहीं है, हर एक चीज ठीक है। उसे कोई बीमारी नहीं है, कोई दर्द नहीं है। मुझे उसे लेने दो। मैं उसे तेरे मुँह पर तुझे शाप दिलाने को लगाऊंगा।"

70 उसने कहा, "वह तेरे हाथ में है, लेकिन तू उसके जीवन को नहीं लेना।"

71 ओह! उसने उसके साथ सब कुछ किया सिवाय उसके जीवन लेने के, लेकिन वो अय्यूब को हिला नहीं सका। अय्यूब जानता था कि वो वचन पर अपने निर्णय पर कायम है। यह सही बात है। और अधोलोक में के सारे शैतान उसे नहीं हिला सके, क्योंकि वह जानता था कि उसने उस

बलिदान को चढ़ाया था। वो धर्मी था। और उन्होंने उस पर दोष लगाया, कहा, "तूने पाप किया है, अय्यूब, और परमेश्वर तुझे दंड दे रहा है।" वह जानता था कि परमेश्वर ने नहीं... कि उसने परमेश्वर के सामने पाप नहीं किया था। वह जानता था कि वह धर्मी था। ना ही इसलिए कि वो एक अच्छा मनुष्य था, लेकिन इसलिए कि वह उसके स्थान पर होमबलि स्वीकार कर रहा था।

72 और, आज रात, हम जानते हैं कि उसके जीवन ने साबित किया कि वो धर्मी था। और जब आप... आप महिमा में घर जाने की कोशिश नहीं करते क्योंकि आप अपने पड़ोसी की मदद करने की कोशिश करते हैं; यह अच्छी बात है। इसलिए नहीं कि आप कलीसिया से जुड़ते हैं; यह अच्छी बात है। लेकिन आप महिमा में घर जाते हैं क्योंकि आप यीशु मसीह की धार्मिकता को स्वीकार करते हैं, ना ही आपने कुछ भी स्वयं किया है।

73 अब, जैसा कि हम आगे पढ़ते हैं।

> *क्योंकि हमें सुसमाचार प्रचार किया गया है,...* (2रा पद)...
> *उन्ही की नाईं: पर सुने हुए वचन से उन्हें कुछ लाभ न हुआ,*
> *क्योंकि ये सुनने वालों के मन में विश्वास के साथ नहीं बैठा।*

विश्वास उनमें नहीं था जिन्होंने वचन को सुना।

74 ज़रा सोचे, आज, उस छोटी सी नम्र सेवकाई में जो प्रभु ने मुझे दी है, आज रात चार करोड़ अमेरिका के लोग बच जाने चाहिए। आप जानते है कि वे क्या कहते हैं? "क्यों, यह मानसिक मनो को पढना है। वो एक मन की बातों को पढने वाला है। ऐसी कोई चीज नहीं! क्योंकि, वह हमारे कलीसिया से संबंध नहीं रखता है।" देखा? यह... इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप इसे वचन पर कितना रखते है और साबित करते है कि यह परमेश्वर का वचन है, यह तो परमेश्वर की प्रतिज्ञा है, विज्ञान कितना भी साबित करे कि यह सत्य है, वे फिर भी विश्वास नहीं कर सकते। बाईबल ने कहा कि वे नहीं कर सकते।

75 कहा, "फिर इसका प्रचार करने का क्या फायदा? " परमेश्वर के पास उस दिन पर, उनको दोषी ठहराने के लिए एक गवाह होना चाहिए। उनके बीच वचन को प्रचार किया गया था और साबित किया गया, और उन्होंने फिर भी अनदेखा किया और चले गए। वहां न्याय के अलावा कुछ भी नहीं बचता है। परमेश्वर राष्ट्र का निष्पक्ष रूप से—निष्पक्ष रूप न्याय नहीं कर

सकता जब तक कि उसके पास न्याय करने से पहले उस पर दया न की गयी हो। वह परमेश्वर है। वह ऐसा नहीं कर सकता।

76 अब हम क्या कहते है?

क्योंकि हम भी जिन्हों ने... विश्वास किया है उस विश्राम में प्रवेश किया हैं, *कि मैं ने अपने क्रोध में शपथ खाई, कि वे मेरे विश्राम में प्रवेश करने न पाएंगे: यद्यपि जगत की उत्पत्ति के समय से उसके काम पूरे हो चुके थे।*

क्योंकि सातवें दिन के—के विषय में उस ने कहीं पर तो यों कहा है,...

77 अब, मैं लोगों की भावनाओं को उनके धर्म के विरुद्ध ठेस नहीं पहुँचाना चाहता। मेरा उद्देश्य ऐसा नहीं है। बाहर प्रचार के कार्य क्षेत्र में, मैं केवल नियमित, बड़े सुसमाचारक के, मूल सिद्धांतों का ही प्रचार करता हूं। लेकिन यहाँ आराधनालय में मेरे बच्चों के बीच, मैं महसूस करता हूँ मुझे प्रचार करने का अधिकार है जो मैं सोचता हूँ कि ये मूल सिद्धांत है और सत्य है। देखा? जो मुझे लगता है कि यह सही है।

78 अब, मेरे सब्त को माननेवाले हजारों अच्छे मित्र हैं, वे लोग जो सेवेंथ–डे एडवेंटिस्ट हैं। मेरे कुछ सबसे प्रिय मित्र है, उनमें से कुछ सेवेंथ–डे एडवेंटिस्ट हैं।

हालांकि, बड़ी गतिविधि, जिसे वो—वो *भविष्यवाणी की आवाज,* कहते है, वे पूरी तरह से मेरे विरुद्ध हैं। उन्होंने कहा कि मैंने पुलपिट में से बयान को दिया है, और कहा है, "मैं परमेश्वर हूँ। और यह—और यह कि वो प्रकाश जो मेरे पीछे था वह एक दूत था, और मैं परमेश्वर हूँ। और मैं संसार में बड़े–बड़े कामो को करने आया हूं, लोगों को यह साबित करने के लिए कि मैं परमेश्वर हूँ।" अब, यही है जो *भविष्यवाणी की आवाज़* ने मेरे विषय में, वहां कैलिफोर्निया में कहा। और जिस किसी ने इसे बताया, आप जानते होंगे, कुछ तो बताया, ये ऐसा नहीं था।

79 लेकिन सबसे पहले, ना ही सेवेंथ से एडवेंटिस्ट कलीसिया के विरुद्ध विचार को ले रहा हूँ या ही कोई अन्य सब्त को मानने वाली कलीसिया के, लेकिन केवल सुसमाचार के खातिर बता रहा हूँ। हम कुछ ही मिनटों में, पेंटीकोस्ट पर भी जाने वाले हैं। जी हां। सही है। बैपटिस्ट पर, हम उस पर जायेंगे और दिखाएंगे कि परमेश्वर किसी भी संप्रदाय का पक्ष नहीं लेता हैं।

यह सही बात है। वो केवल व्यक्तिगत का पक्ष लेता है। और वो किसी भी संप्रदाय के साथ व्यवहार नहीं करता है, उसने कभी भी नहीं किया और वह कभी नहीं करेगा, उसके वचन के अनुसार। लेकिन वो हर एक संप्रदाय में व्यक्तिगत के साथ व्यवहार करता है। जी हाँ, यह व्यक्तिगत रूप से हैं जिससे परमेश्वर व्यवहार करता है।

80 अब इसे बिल्कुल साफ़–साफ़ सुनिए, और यदि कभी भी, किसी भी समय, यह प्रश्न कभी भी आपके सामने आता है, इससे बात ख़त्म हो जाएगी। अब, होने पाए प्रभु हमारी सहायता करें।

81 अब, धयान से सुने, "क्योंकि... " चौथा पद।

क्योंकि सातवें दिन के विषय में उस ने कहीं यों कहा है,...

82 अब देखो। वो सब्त के बारे में बात कर रहा है। कितने लोग जानते हैं कि वो शब्द *एस–ए–बी–बी–ए–टी–एच* सब्त में वो–... इब्रानी शब्द जिसका अर्थ होता है "विश्राम"? कितने लोग यह जानते हैं, अंग्रेजी में ऐसा है? यकीनन। क्या *सब्त* एक अजीब सा शब्द नहीं लगता? यह है।

83 क्या *पवित्रीकरण* एक अजीब सा शब्द नहीं लगता? *पवित्रीकरण* एक यूनानी शब्द है। *पवित्रीकरण* का मतलब "पवित्र बनाना" होता है। इब्रानी में मतलब "पवित्र बनाओ" होता है। यूनानी में, मतलब "पवित्रीकरण।" अंग्रेज़ी में, मतलब "साफ करना" होता है।

84 *सब्त* का अर्थ होता है "विश्राम का एक दिन।" यही वो पुराना सब्त था, एक विश्राम का दिन। जब आप विश्राम को देखते हैं, तो इसका मतलब होता है "सब्त।" इसे अपनी मूल हस्तलिपि में देखें, यदि आपके पास यूनानी बाईबल है, और देखें कि क्या वो शब्द... यदि आपके पास स्कोफ़ील्ड की बाईबल है, तो उसके किनारे पर के लेख की ओर देखें "विश्राम" लिखा है और देखो कि क्या ये आपको *सब्त* पर वापस नहीं लाता। सब्त का अर्थ होता है "विश्राम।" तो ठीक है।

85 अब देखो।

इसलिये जब कि उसके सब्त *में* प्रवेश *करने की प्रतिज्ञा अब तक है, तो हमें डरना चाहिए,...*

86 अब, बहुत से लोग दिन को मानते हैं, जैसे सब्त का दिन *शनिवार* को मानते है। दूसरे लोग *रविवार* को एक भक्ति का दिन बनाते है, एक

आराधना का दिन। और परमेश्वर के अनुग्रह के द्वारा, और परमेश्वर के वचन के द्वारा, परमेश्वर आज रात मेरी सहायता करें, मैं आपको साबित कर सकता हूं कि वे दोनों ही गलत हैं। रविवार के आराधना करने वाले और सब्त को माननेवाले दोनों, वे दोनों वचन के अनुसार पूरी तरह से गलत हैं। और आखिरकार, ये वो वचन है जिसमें से होकर हमें देखना होगा, ना ही एडवेंटिस्ट क्या कहते हैं, उसके द्वारा देखना है, या ना ही जो प्रोटेस्टेंट कहते है, या कैथोलिक के कहने से नहीं। यह तो वो है जो बाईबल कहती है।

87 अब, अब देखिए।

क्योंकि सातवें दिन के विषय में उस ने कहीं यों कहा है,...

अब हम कुछ *इस* तरह से रखने जा रहे हैं, और इसे—इसे, "परमेश्वर का विश्राम," कहेंगे सातवां दिन।

88 अब देखो। "और परमेश्वर... " अब इस वचन को सुनना।

... परमेश्वर ने सातवें दिन अपने सारे कामों *से विश्राम किया।*

परमेश्वर के पास एक सब्त था, और वह सातवां दिन एक हजार वर्ष लंबा था, जो सह–शताब्दी का एक नमूना है।

क्योंकि... सातवें दिन के विषय में उस ने कहीं यों कहा है, कि परमेश्वर ने... सातवें दिन अपने—अपने सारे कामों *से विश्राम किया।*

व्यक्तिगत सर्वनाम, "*अपने* सारे कामो से।" सातवें दिन उसने विश्राम किया। यही परमेश्वर है।

और इस जगह पर (नियम के अंदर), *कि वे मेरे विश्राम में प्रवेश न करने पाएंगे।*

89 परमेश्वर ने भौतिक रूप से विश्राम किया, क्योंकि उसने आकाश और धरती को छ: दिनों में बनाया था, और सातवें दिन पर उस ने अपने सारे कामों से विश्राम किया। उसने एक हजार वर्ष विश्राम किया। क्योंकि बाईबल ने कहा, कि, "धरती पर का एक दिन स्वर्ग में एक हजार वर्ष के बराबर है; स्वर्ग में एक हजार वर्ष धरती पर का एक दिन है।" कितने लोग जानते हैं कि वचन के दूसरे पतरस में ऐसा कहता है? [सभा कहती है, "आमीन।"—

सम्पा।] तो ठीक है। "सातवें दिन परमेश्वर ने विश्राम किया। और उस ने एक कुछ स्थान पर इस प्रकार से बताया।"

90 अब ध्यान से सुनना।

क्योंकि सातवें दिन के विषय में उस ने कहीं यों कहा है, कि परमेश्वर ने... सातवें दिन अपने सब कामों से विश्राम किया।

और इस जगह फिर यह कहता है, (नियम)*, कि वे मेरे विश्राम में प्रवेश न करने पाएंगे।*

वह यहूदियों को उनके प्रतिज्ञा किए गए देश के मार्ग में देता है, या मिस्र से लेकर प्रतिज्ञा किए गए देश के मार्ग में, वो सातवें दिन का सब्त।

91 अब सुनना।

तो जब यह बात बाकी है कि कितने और हैं जो उस विश्राम में प्रवेश करें, और जिन्हें उसका प्रचार पहिले सुनाया गया...

बाकी के! परमेश्वर उन्हें व्यवस्था को या नियम को देता है, और सब्त चौथी आज्ञा थी।

... अविश्वास के कारण प्रवेश नहीं किया:...

92 अब देखो। वह व्यवस्था के बारे में बात कर रहा है, किस तरह से उन्होंने प्रवेश किया, उनके विश्वास के साथ नहीं ठहरा था। उन्होंने इसे नहीं माना। उन्होंने सब्त को यादगार में रखा, कि वे सब्त के देश को जा रहे हैं, उनके सब तकलीफों और सारी चिन्ताओं से हमेशा के लिए विश्राम पाने के लिए, अब और काम करवानेवाले नहीं है, अब और न ही बेचैन रातें है। वे विश्राम के प्रतिज्ञा किये हुए देश की ओर जा रहे थे। ये दूध और शहद के साथ बहती थी। अंगूर इतने बड़े थे कि दो लोग एक गुच्छा अपने कंधों के ऊपर ढोये हुए थे। ओह, क्या ही धन्य विश्राम का देश है! लेकिन जब वे वहां पहुंचे तो अपने अविश्वास के कारण इसे लेने में असफल रहे। वे एक तरफ मुड गए थे, मिस्र में जहां से वे निकले थे, ये प्रतिज्ञा किया गये देश वहां से केवल चालीस मील की दूरी पर था। और वे उनके अविश्वास के कारण चालीस वर्ष तक वहां पर रहे। परमेश्वर ने उन्हें उनका भविष्यद्वक्ता दिया, उन्हें उसके चिन्ह को दिया, उन्हें अग्नि का खंभा दिया, चिन्ह और अद्भुत कार्यो को दिखाया, और उन्हें सुसमाचार का प्रचार किया। और वे

निकल गए, मछलियों और रोटियों के पीछे, और वे जंगल में मर गए। "और उनकी लोथें जंगल में नष्ट हो गईं।"

93 यीशु, उस झरने पर, उसने कहा।

कहा, "हमारे पूर्व पिता चालीस वर्षों तक जंगल में मन्ना खाया।"

94 उसने कहा, "वो जीवन की रोटी **मैं हूँ** जो स्वर्ग से परमेश्वर की ओर से उतरी है। जीवन की रोटी **मैं हूँ**। मूसा ने तुम्हें वह रोटी नहीं दी। मेरा पिता उस रोटी को देता हैं। और वह रोटी **मैं हूँ** जो स्वर्ग से परमेश्वर की ओर से आती है। यदि कोई मनुष्य इसे खाता है तो कभी नहीं मरेगा।" वहां अंतर है।

95 अब देखो। उन्होंने कहा कि वो... "उन्होंने उस चट्टान से पीया जो जंगल में थी, *बहुत से* वर्षों तक की समय अवधि के लिए।"

96 उसने कहा, "वो चट्टान **मैं हूँ**।" उसका पवित्र नाम धन्य हो! "वो चट्टान **मैं हूँ**।"

वह भला चट्टान कैसे हो सकता है? वह चट्टान एक आत्मिक चट्टान थी। ये इस्राएल के संतान के साथ–साथ चली। और मूसा के हाथ में एक लाठी थी, जो कि परमेश्वर के न्याय की छड़ी थी। और परमेश्वर ने उस से चट्टान को मारने के कहा, और उस ने चट्टान को मारा। और जब उसने ऐसा किया, तो चट्टान से पानी निकला। और मसीह वो चट्टान था, और परमेश्वर का दंड जो पाप के लिए है उसका न्याय उस पर आ गया था। "परमेश्वर ने हम सबका अधर्म उस पर डाल दिया," और उस अधर्म से उसका हृदय फूट पड़ा। और उसके हृदय से पवित्र आत्मा जल की नदियों के जैसे, एक नाश हो रहे, मरते हुए लोगों पर उंडेला गया।

"वह चट्टान **मैं हूँ** जो उस जंगल में थी।"

"क्यों," उसने कहा, "आपके कहने का अर्थ है... "

97 उसने कहा, "मूसा, वो ही एक जिसने तुम्हे यह बताया, उसने मेरे दिन को देखने की लालसा रखी। और उसने इसे अंश में देखा।"

98 उसने कहा, "अब, तुम्हारा हमें इसे बताने का अर्थ हैं कि तुम मूसा से बड़े हो? कि तुमने मूसा को देखा है? और मूसा को मरे हुए आठ सौ वर्ष हो गए हैं।" कहा, "अब हम जानते हैं कि तेरे पास एक शैतान है," दूसरे शब्दों में, पागल। "हम जानते हैं कि तू पागल है।"

99 उसने कहा, "अब्राहम के पहले, **मैं हूँ**। **मैं** वह **महान मैं हूँ** जो उस जलती हुई झाड़ी में था। मैं वो आग हूँ जो जलती झाड़ी में थी। मैं वह दूत हूं जो उनके आगे–आगे गया था।" और उसने कहा, "मैं परमेश्वर से आया हूं, और मैं परमेश्वर के पास वापस जाता हूं।" और वह परमेश्वर से आया, और देहधारी हुआ और हमारे बीच में डेरा किया; वापस उसी अग्नि के खंभे पर चला गया।

और यहाँ है वो, आज रात, दो हज़ार वर्षों के बाद, "वो कल, आज और युगानुयुग एक सा है," उन्ही कामो को करते हुए, अपने धन्य संतान की अगुवाई करते हुए।

100 और बहुत से आते हैं... अविश्वास के कारण। अब, उसने कहा, "उसने एक दिन को ठहराया," एक दिन जब परमेश्वर ने अपना कार्य समाप्त किया। तब, "वो 'किसी और' विशेष दिन को ठहराकर, और इस प्रकार से, कि यदि वे सुनें, यदि वे आये, जो सब्त को मानते हैं, चाँद और इत्यादि को देखकर आगे बढ़ते हैं।" जहाँ एडवेंट भाई लोग आपको पीछे लेकर जाने की कोशिश करते हैं।

101 अब आइये हम आगे पढ़ते हैं। ध्यान दे।

> *कितने और हैं... जो उस विश्राम में प्रवेश करें, और* जिन्हें *उसका* प्रचार पहिले *सुनाया गया, उन्होंने आज्ञा न मानने के कारण उस में प्रवेश न किया।*

102 अब, 7वां पद। ओह, प्रभु! मैं कहता हूँ, वचन गणित के अनुसार प्रेरित है। मैं कहता हूं, वचन, और हर तरह से, प्रेरित है। बाईबल का गणित एकदम सिद्ध है।

103 क्या आपने ध्यान दिया कि यह संयुक्त राज्य अमेरिका उसके हर काम में तेरहवें नंबर पर है? आप जानते है कि ये तेरह नए प्रदेशो की स्थापना की गई थी? आप जानते हैं कि इसके झंडे में पहले तेरह तारे थे? क्या आप हर एक चीज जानते हैं जो संयुक्त राज्य अमेरिका करता है ये तेरह संख्या में है? क्या आप जानते हैं कि यह बाईबल में प्रकाशितवाक्य 13 में दिखाई देता है? निश्चय ही दिखाई देता है। वह छोटा पशु, वह मेम्ना जो पानी में से निकलता है, न ही अधिक और बहुत से लोगो की भीड़, ... ना ही पानी में से, लेकिन उस देश में से, जहां कोई नहीं है। इसके दो छोटे सींग थे: नागरिक और कलीसिया संबंधी सामर्थ। और वो एक मेमना था: धर्म

की स्वतंत्रता। और कुछ समय बाद, वे एक साथ हो गए, और वह अजगर की तरह बोला, और उसने सारी सामर्थ का प्रयोग किया जो रोम ने उसके सामने की थी। यह हमारे देश में आ रहा है। आप इसे लिख कर ले ले। आप कलीसियाओ के संगठन और कैथोलिक को एक साथ जुड़ते देखना, और देखना कि क्या बात जगह लेती है।

104 जो लोग आग के खंभे का अनुसरण करते हैं, उनके लिए निश्चित रूप से कठिन समय होगा, लेकिन वे उस समय पर रुपांतर के लिए तैयार होते हैं, यह सही है, बस जाने के लिए तैयार होते है। "क्योंकि मेमना उन पर जय को पाता है," बाईबल ने कहा, "और वे जिन्होंने उसका अनुसरण किया, क्योंकि वे बुलाये गए और चुने हुए और विश्वासयोग्य, परमेश्वर के चुने हुए कहलाते थे।" अब उस भविष्यवाणी पर आ रहे है, जिससे कि हम इसमें आगे जा सकें।

105 ध्यान से सुनना, 7वां अध्याय,... मेरा मतलब 4था अध्याय, सातवां पद। सात सम्पूर्ण होने की संख्या है। तीन जीवन की संख्या है। सात सम्पूर्ण होने की संख्या है, और यह सम्पूर्ण सब्त को देता है।

"और फिर से," याद रखना उसने बोला, "परमेश्वर," इस प्रकार से। फिर उसने "व्यवस्था," की इस प्रकार से बात की। और उसके बाद, फिर से, "उसने एक दिन को ठहराया," तीसरा दिन, तीसरी बार।

> *तो फिर से वह किसी विशेष* दिन को ठहराकर, *दाऊद की पुस्तक में, उसे आज, इतने दिन के बाद;... उसे आज का दिन कहता है; उसे आज का दिन कहता है, जैसे पहिले कहा गया, कि यदि आज तुम उसका शब्द सुनो तो अपने हृदय को कठोर न करो।* (देखो।)
>
> *... यदि यीशु ने उन्हें विश्राम दिया होता था* (एक सब्त),... *तो* उसके बाद *दूसरे दिन की चर्चा न होती।*

यीशु मसीह के साथ समय काल पूरा होने पर बदलता हैं: व्यवस्था से अनुग्रह की ओर, कामो से अनुग्रह में, जो कुछ तुम करते हो, वहां से बदलकर जो कुछ परमेश्वर ने किया है, आपके खुद के गुणों पर मेरा मतलब उसके गुणों पर। यह बदल गया।

106 जब मूसा व्यवस्था को लेकर जंगल से बाहर आया, उस ने कहा, "तू व्यभिचार ना करना। तू चोरी ना करना। तू हत्या ना करना। सब्त के दिन

को पवित्र मानना।" जब यीशु जंगल से बाहर आया... जब मूसा आया, तो शैतान ने उसकी परीक्षा की। जैसे ही शैतान ने उसकी परीक्षा ली, उसने उसकी बात मान ली। मूसा में एक कमजोर स्थान था। कितने लोग जानते हैं कि यह क्या था? गुस्सा। और जैसे ही उस ने उन्हें सोने के बछड़े को दण्डवत करते हुए देखा, उस ने आज्ञाओं को फेंक दिया, और उन्हें तोड़ दिया, आपको दिखाता है कि याजकगण टूट जाएगा। और परमेश्वर उन्हें उसे फिर से देता है।

107 लेकिन जब यीशु चालीस दिन के उपवास के साथ जंगल से बाहर आया, तो वह भूखा था, उसके पास एकमात्र कमजोर स्थान था। और शैतान उसके पास आया और कहा, "यदि तू परमेश्वर का पुत्र है, तो इन पत्थरों को रोटी में बदल दे। यहाँ एक चमत्कार कर। मुझे देखने दे कि तू इसे करता हैं, और मैं तुझ पर विश्वास करूंगा।"

108 यीशु ने कहा, "ऐसा लिखा है, 'मनुष्य केवल रोटी से नहीं जीवित रहेगा, लेकिन उस हर एक वचन से जीवित रहेगा जो कि परमेश्वर के मुख से निकलता है।'" वह जानता था कि वह वहाँ मूसा से नहीं मिला, क्योंकि वो वचन की ओर गया था।

109 उसे मंदिर के शिखर पर ले गया, कहा, "यदि तू परमेश्वर का पुत्र है, तो तू यहाँ से कूद।" और *परत चढ़ायी*, हवाला नहीं दिया, लेकिन वचन पर परत चढ़ायी। कहा, "ऐसा लिखा है, 'वह दूतो को आज्ञा देगा, तेरे निमित, कहीं ऐसा न हो कि तेरे पांव में पत्थर से ठेस लगे। वह तुझे हाथो–हाथ उठा लेगा।'"

110 और यीशु सीधे वचन की ओर गया, और उसे फटकारा।

111 उसे पहाड़ पर ले गया और उसे संयुक्त राज्य और जर्मनी और स्विटजरलैंड को दिखाया, और संसार के सारे राष्ट्र, जो कभी होने वाले है, कहा, "वे सारे मेरे हैं। मैं उनके साथ वही करता हूँ जो मैं करना चाहता हूं।" इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि हमारे पास युद्ध और परेशानियाँ है। कहा, "मैं उनके साथ वो करता हूँ... " कोई आश्चर्य नहीं कि महिलाएं ऐसे कपड़े पहनती हैं... और व्यवस्था के अनुसार चलती है। वे सभी शैतान के द्वारा नियंत्रित हैं। यही है जो बाईबल ने कहा। शैतान ने कहा, "वे मेरे हैं। मैं उनके साथ जो करना चाहता हूं, वो करता हूं।" कहा, "यदि तुम मेरी आराधना करोगे, तो मैं तुम्हें राजा बनाऊँगा जैसा मैं हूँ।"

112 यीशु ने कहा, "ऐसा लिखा है, 'तू केवल अपने प्रभु परमेश्वर की आराधना करना, उसकी सेवा करना।' तू मुझ से पीछे हट जा, शैतान।"

क्यों? यीशु जानता था कि वह इस महान सह–शताब्दी में उनका उत्तराधिकारी होगा, जब उसका राज्य आएगा। "तेरी इच्छा धरती पूरी हो जाएगी जैसी स्वर्ग में होती है।" अब और छोटे कपडे नहीं पहने जाएंगे। वहां अब और कोई शराब पीने वाला नहीं होगा। वहां अब और कोई अभिलाषा नहीं होगी। वहां अब कोई और व्यभिचार नहीं होगा। वहां अब कोई और मृत्यु नहीं होगी। वहां अब और दु:ख नहीं होगा। वो हर एक राष्ट्र का उत्तराधिकारी बनता है। वे उनके हैं। यह सही बात है। वे उसके हैं, और वो वारिस होगा। लेकिन शैतान के पास वे कुछ समय के लिए ही है, जो आज है, जिसमें हम रह रहे हैं।

113 "लेकिन उसने एक दिन ठहराया, यह कहते हुए, 'इतने दिन के बाद जिसे आज का दिन कहा जाता है।' और कहा, 'अपने ह्रदय को कठोर ना करना।'"

क्योंकि यदि यीशु ने उन्हें विश्राम दिया होता,... *तो* बाद में *किसी और दिन की चर्चा ना होती।*

114 मेरे एडवेंटिस्ट भाई, इसे देखो। यहाँ पौलुस ने कहा। और पौलुस ने कहा, गलातियों 1:8 में, यदि आप वचन को लिख रहे हो, गलातियों 1:8, "यदि स्वर्ग से कोई दूत भी आकर और इसके अलावा किसी अन्य सुसमाचार का प्रचार करता है जिसका मैंने प्रचार किया है, तो वह शापित होने दो।" पौलुस ने कहा, "यदि यीशु ने उन्हें विश्राम का दिन दिया होता... "

115 देखो, जब वह पहाड़ से उतरा। तब वो नीचे आया। उसने शैतान पर जय को पाया था। उसका अभिषेक हुआ था, वो उसकी सेवकाई के लिए तैयार था। उसने कहा, "तुमने उन्हें कहते सुना है, वे जो पुराने समय के लोग हैं, 'तू हत्या न करना,' लेकिन मैं तुम से कहता हूं, कि जो कोई भी अपने भाई पर अकारण क्रोधित हो, तो वो हत्या कर चुका। तुमने उन्हें कहते सुना है, वे जो पुराने समय के लोग हैं," इस दिन, सब्त को मानानेवाले। "तुमने उन्हें सुना है, जो तब पुराने समय के लोग है, जो व्यवस्था के नीचे थे, 'तू व्यभिचार न करना।'" उस कार्य में होना भी, दोषी ठहराया जाना था। "लेकिन मैं तुम से कहता हूं, कि जो कोई किसी स्त्री पर कुदृष्टि डाले

वो उसके साथ व्यभिचार कर बैठा वह उसके साथ अपने हृदय में व्यभिचार कर चुका।" अलग ही! ठीक उस चौथी आज्ञा से आगे निकल गया। लेकिन क्या उसने उन्हें विश्राम दिया?

116 आइए देखें कि उसने क्या कहा। "दाऊद ने कहा, 'बहुत लंबे समय के बाद, एक सिद्ध विश्राम आ जाएगा।'" सातवें दिन पर परमेश्वर ने अपने कार्यों से विश्राम किया। परमेश्वर ने सब्त के दिन को आशीष दी, और इसे जंगल में यहूदियों को इस प्रकार से दिया। उन्होंने प्रवेश... अविश्वास के कारण, क्योंकि वचन उनके विश्वास के साथ नहीं बैठा। "और फिर से, उसने एक विशेष दिन को ठहराया, उसने दाऊद की किताब में कहा, 'इतने दिन के बाद।'"

दाऊद के मरने के सैकड़ों वर्ष बाद, दाऊद का पुत्र जी उठेगा, जो यीशु है, "और यदि वे मेरा शब्द सुनकर, अपने मन को कठोर न करें।" परमेश्वर हृदय से बात करेगा।

117 अब 9वें पद को देखना, जो आपके लिए पढ़ रहा हूँ। "यीशु ने उन्हें विश्राम दिया होता," 8वां पद, "उसने... दूसरे दिन की चर्चा न होती।"

118 यदि वहां विश्राम का दिन होता था, यदि रविवार का दिन होता था, तो वह इसके बारे में चर्चा करता। यदि उसने कहा होता, "अब कोई सब्त का दिन नहीं है, अब और सातवे दिन को नहीं मानना है, मैं चाहता हूं कि तुम रविवार को मानो," उसने ये कहा होता। पौलुस ने कहा कि उसने किया। उसने कहा होता, "तुम सभी रविवार को आराधना करना। यह विश्राम होगा।" तो ठीक है, यदि वह चाहता कि वे सब्त को माने, तो उसने कहा होता, "बस सातवें दिन को मानते रहो। लेकिन अब मैं चाहता हूं कि तुम रविवार को आठवां दिन मानो।" नहीं। उसने ऐसा कभी नहीं कहा।

119 उसने कहा, "यदि यीशु ने उन्हें एक दिन दिया होता, तो क्या वो इसके बारे में नहीं बोलता? "

120 अब 9वां पद। तैयार हो जाये।

> *सो जान लो कि, परमेश्वर के लोगों के लिये,* सब्त मानने वाले, *परमेश्वर के लोगों के लिये विश्राम बाकी है।*
>
> *क्योंकि जिस ने उस* (मसीह के) *विश्राम में प्रवेश किया है, उस ने भी अपने कामों को पूरा करके, जैसे परमेश्वर ने उसके कामो से किया,* सब्त पर।

121 इसे देखा? अब आइए कुछ वचन को लें और इसका समर्थन करें। तो ठीक है। जब परमेश्वर ने छह दिनों में दुनिया बनाई, तो उसने सातवें दिन विश्राम को किया, और फिर कभी भी काम नहीं किया। प्रभु का नाम धन्य हो। उस ने संसार को बनाया, उस पर सृष्टि को रखा, और विश्राम करने चला गया; और फिर कभी भी, किसी और दुनिया का निर्माण करने के लिए वापस नहीं आया। उसने काम को पूरा किया, और विश्राम करने चला गया। अब, आगे... फिर, उस हज़ार वर्षो के बाद, फिर पाप आता है; तब मसीह का प्रतिनिधित्व किया गया था, मेम्ने का प्रतिनिधित्व किया गया था। अब, यहूदियों को इसे सातवें दिन के विश्राम के नमूने के रूप में दिया गया था।

अब, *उसने एक और दिन ठहराया, और दाऊद की पुस्तक में कहा,... इतने दिनों के बाद* एक और विश्राम आ रहा है।

122 अब वो विश्राम क्या है? मेरे साथ मत्ती को खोले, 11वें अध्याय और संत मत्ती के 11वें अध्याय के अंतिम भाग को खोले। यही है जब यीशु ने पर्वत पर अपने उपदेश को समाप्त किया, और आप देखेंगे कि उसने क्या कहा।

123 उसने कहा, "जो कोई भी स्त्री की ओर देखता है, उसके प्रति अभिलाषा करता है, वो अपने हृदय में व्यभिचार कर चुका है। जो कोई भी अपने भाई से अकारण क्रोध करता है, वो भाई की हत्या कर चुका।" ये सारी बातें, और उस ने उस चौथी आज्ञा, उस सब्त को कभी छुआ तक नहीं।

124 अब वह समाप्त कर रहा है। और सब्त परमेश्वर की महान प्रतिज्ञा है। यह एक विश्राम है। अब, अब यहाँ देखें, जब उसने पहाड़ी उपदेश में से होते हुए समाप्त किया। यहाँ वो कहता हैं, संत मत्ती के 11वें अध्याय का 27वाँ पद। जहां, वो 5वें अध्याय में पहाड़ी उपदेश की शिक्षा को दे रहा था।

मेरे पिता ने मेरे हाथ *में सब कुछ सौंपा है, और कोई पुत्र को नहीं जानता, केवल पिता: और कोई पुत्र को नहीं जानता, केवल पिता;...*

देखो, आप एक को जाने बिना दुसरे को नहीं जान सकते, क्योंकि वह देह में प्रकट हुआ पिता था।

... ना ही पिता को कोई भी मनुष्य जानता है, सिवाय पुत्र के,...

125 ऐसा दिखाई देता है कि लोग उसे देख सकते थे और बहस नहीं कर सकते थे। निश्चित रूप से। परमेश्वर तीन लोग नहीं हैं। यदि वह तीन परमेश्वर हैं, तो हम मूर्तिपूजक हैं। वो कौन सा एक परमेश्वर है? वे तीनों, एक परमेश्वर, एक ही परमेश्वर के तीन कार्यालय हैं। पवित्र आत्मा के रूप में, जंगल में उस अग्नि के खंभे में, वो पिता था। वो पुत्र था, जब उसने पुत्रत्व के कार्य स्थान का उपयोग किया था। "थोड़ी देर रह गयी है और संसार मुझे अब और नहीं देखेगा; मैं चला जाऊँगा। मैं फिर से आऊँगा और तुम्हारे साथ रहूँगा, यहाँ तक कि तुममें रहूँगा, संसार के अंत तक।" देखा? वो पितृत्व, पुत्रत्व, और पवित्र आत्मा भी है। यह सब वही परमेश्वर तीन अलग–अलग कार्यालयों में कार्य कर रहा है: पितृत्व, पुत्रत्व, पवित्र आत्मा। कभी नही...

पहले यूहन्ना 5:7 ने कहा, "स्वर्ग में गवाह रखने वाले तीन हैं: पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा। ये तीनों एक हैं।"

126 थोमा ने उससे कहा, "प्रभु, हमें पिता को दिखा।" यह उसे संतुष्ट करेगा।

127 उसने कहा, "मैं तुम्हारे साथ इतने लंबे समय से हूँ, और तुम मुझे नहीं जानते? " कहा, "जब तुम मुझे देखते हो, तो तुम पिता को देखते हो। और क्यों कहते हैं, 'हमें पिता को दिखा दे'? "

128 अब, एकीकरण ने इसे ले लिया, एकीकरण झुण्ड के लोग, और पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा बनाने का कोशिश करते है, बस एक कार्यालय और एक जगह, और जैसे की आपकी उंगली, एक। यह गलत है। परमेश्वर नहीं कर सकता... यीशु उसका अपना पिता नहीं हो सकता था। यदि वह था, तब वह एक... भला, वह अपना खुद का पिता कैसे हो सकता हैं?

129 और यदि परमेश्वर एक मनुष्य है, पवित्र आत्मा से निकला हुआ, तो उसके दो पिता थे। क्योंकि बाईबल ने कहा, कि, "पवित्र आत्मा ने मरियम पर छाया किया और वह गर्भवती हुई।" और बाईबल ने कहा, मत्ती 1:18 में, कि, "वह चीज़ जो उसके गर्भ में है वह पवित्र आत्मा की ओर से है।" फिर उसका पिता कौन है, पवित्र आत्मा या परमेश्वर? दोनों, एक ही आत्मा है, या तो उसने दो आत्माओं के द्वारा नाजायज जन्म लिया था।

यह एक कैथोलिक मत सिद्धांत है, और यह कभी भी बाईबल की शिक्षा नहीं थी। मार्टिन लूथर ने इसे वहां लाया, बहुत से दुसरे कैथोलिकवाद के

साथ लूथरन कलीसिया में लाया। वेस्ली इसके साथ आगे गया। और यह अभी भी आगे चलते जा रहा है, लेकिन यह गलत है। यह सत्य नहीं है। ऐसा कभी नहीं था, यह कभी बाईबल का सिद्धांत नहीं था। बाईबल में कभी भी तीन परमेश्वर की शिक्षा देने की आज्ञा नहीं थी।

वहां एक परमेश्वर है। यीशु ने कहा, "हे इस्राएल, सुन, मैं प्रभु तेरा परमेश्वर हूँ, एक ही परमेश्वर," ना ही तीन परमेश्वर।

130 अफ्रीका में, वे एक बार पिता के लिए, एक बार पुत्र के लिए, और एक बार पवित्र आत्मा के लिए बपतिस्मा देते हैं। और फिर बेचारा यहूदी वहां आकर कहता है, "उनमें से कौन सा तुम्हारा परमेश्वर है? पिता, पुत्र या पवित्र आत्मा कौन सा है?" वे तीनों, एक हैं। बाईबल ने कहा कि वे एक थे।

131 यीशु एक घर था जिसमें परमेश्वर रहता था। बाईबल ने कहा कि—कि, पहला तीमुथियुस 3:16 में, "बिना *विवाद* के," (यही, "तर्क" है) "भक्ति का भेद महान है। क्योंकि परमेश्वर देह में प्रकट हुआ था, दूतों के द्वारा देखा गया, ग्रहण किया... प्रचार किया, उस पर विश्वास किया, और महिमा में ग्रहण किया गया।" परमेश्वर था। बाइबल ने कहा, "उसका नाम *इम्मेनुएल* बुलाया जाएगा, जिसका अनुवाद होता है, 'परमेश्वर हमारे साथ।'" बाईबल ने कहा, कि, "यीशु, उसमें दैहिक रूप से परमेश्वरत्व की परिपूर्णता वास करती थी।"

132 जैसे उस रात को हमने लिया था: परमेश्वर, आदि में, आत्मा था। और फिर, परमेश्वर से, लोगोस, या दैविक शरीर बाहर आया, जो एक मनुष्य के एक रूप में था, जिसे परमेश्वर का पुत्र कहा जाता था, जो आदिरूप था। वो धरती में आया, मांस के शरीर में, यहाँ तक इससे पहले वो यीशु मसीह में आये। अब इस एक को एक बार उगल लो, भाई। मैं आपको इसे साबित करूंगा।

133 जब—जब मूसा ने उसे देखा। उसने कहा, "मुझे आपका रूप देखने दो, प्रभु।" और परमेश्वर ने उसे चट्टान में छिपा दिया। और जब वह वहां से गुजरा, तो उसने कहा, "यह एक मनुष्य का पिछला भाग था।" यह वो दैविक शरीर था। बिल्कुल ऐसा ही है।

फिर, उस दैविक शरीर को देह बनना था। ना ही कोई दूसरा व्यक्ति, लेकिन उसी व्यक्ति को देह बनना था, ताकि मृत्यु के डंक को निकाले।

जैसे मधुमक्खी जब वह डंक मारती है तो ये डंक को छोड़ देती है। और उसने उसे कभी नहीं छोड़ा... वह मनुष्य देह में एक डंक को डाल सके क्योंकि यह पाप है। लेकिन, भाई, जब उसने उस इम्मेनुएल के देह को डंक मारा, तो उसने अपने डंक को खो दिया। जी हाँ, श्रीमान। वह भनभना सकता है, लेकिन अब उसके पास कोई डंक नहीं है।

134 कोई आश्चर्य नहीं, पौलुस, जब वे उसका सिर काटने के लिए गये, तो उसने कहा, "मौत, तेरा डंक कहाँ है? तु जितना चाहें उतना भनभना और आवाज़ कर सकती हैं। कब्र, तेरी विजय कहाँ है? लेकिन परमेश्वर का धन्यवाद हो जो यीशु मसीह के द्वारा हमें जयवन्त करता है।" वहां आप हैं।

ऐसा करने के लिए इसने स्वयं परमेश्वर की आवश्यकता होती है। वो आकर और देह में प्रकट हुआ था। वो आत्मा में वापस चला गया।

135 आप कहते है, "भाई ब्रंहम, आपने अब तक हमें कभी नहीं बताया, जब परमेश्वर मसीह में आने से पहले देहधारी हुआ था।"

जब अब्राहम अपने तंबू के नीचे एक दिन बैठा हुआ था, वहां दो दूत और परमेश्वर आते है, मनुष्य के देह में उसके पास चलकर आते है। उनके वस्त्रों पर धूल लगी हुई थी और वे थके हुए थे, और वे वहां बैठ गए। और अब्राहम ने बाहर जाकर और गाय के बछड़े को उठाकर और इसे मारा। और कुछ मेमने के काटकर टुकड़े बनाये। बाहर जाकर और लिया... सारा ने कुछ मक्के के आटे को लिया और उसमें से छानकर, कुछ आटे की रोटियां बनायीं। और गाय से कुछ मक्खन को लिया, और कुछ छाछ को लिया। और इसे वहां निकालकर और नीचे बैठ गया, और परमेश्वर ने उसे खाया।

136 हाल्लेलुय्या! यही कारण है, "हे कलवरी के मेम्ने, मेरा विश्वास तेरी ओर देखता है।"

137 आप सोचते है कि यह परमेश्वर के लिए एक बड़ी बात है? परमेश्वर, जिसने सारी पोटैशियम और कैल्शियम, और संसार में की हर एक चीज को बनाया, वो अब्राहम से भेंट करने को आया। उसने कहा, "आप सोचते है कि मैं इसे आपसे दूर रखूंगा, यह देखते हुए कि आप संसार के उत्तराधिकारी हैं? " आमीन। "मैं इसे आपसे दूर नहीं रखूंगा।" परमेश्वर को अब एक...

138 हम सोलह तत्वों से बने हुए हैं। उसने बस कुछ पोटेशियम, और कुछ कैल्शियम, कुछ पेट्रोलियम, लौकिक प्रकाश को लिया, "व्यूफ!" "उस में कदम रखो, जिब्राएल," एक शरीर!

139 "व्यूफ!" "उसमें कदम रखो, वर्मवुड।" उसने इसमें कदम रखा।

स्वर्ग से, दो दूत!

140 परमेश्वर पहुंचता है और इसे मुट्ठी भर लेता है, "व्यूफ," खुद इसमें कदम रखा। नीचे आया, और वो भूखा था। ध्यानी... उसके बारे में क्या, एडवेंटिस्ट भाइयों जो मांस नहीं खाते? हम इसे थोड़ी देर के बाद लेने जा रहे हैं। सर्वशक्तिमान परमेश्वर, यहोवा, देखे कि क्या वही नाम क्या जलती हुई झाड़ी पर वही एक स्थानांतर नहीं हुआ है! हाल्लेलुय्या!

और जब वह धरती पर खड़ा हुआ था, उसने कहा, "अब्राहम से पहले, **मैं हूँ**, वही एक जो जलती हुई झाड़ी में था।" यह सही है, एलोहीम, देखो कि क्या यह वही नहीं है। वह वही एक था जो जलती हुई झाड़ी में था।

141 वही वो एक था जो यहाँ अब्राहम के सामने था, मांस के शरीर में, जिसने बछड़ा खाया, और गाय में का दूध पीया, और रोटियों पर लगा मक्खन खाया। परमेश्वर का पवित्र नाम धन्य हो! सीधे वहां चलकर गया और कहा, "मैं नहीं छोड़ूंगा... "

और उसने अपनी पीठ को फेर लिया था। उसने कहा, "अब्राहम, मैं तुमसे भेंट करूँगा, और तुम उस बालक को लाने जा रहे हो। अभी तुम सौ वर्ष के हो, और सारा नब्बे वर्ष की है।" और सारा, तम्बू में, चली गई, "हा!" वो हंसी। उसने कहा, "सारा को हंसी क्यों आई? " वो उसके पीछे थी; उनके बीच में तम्बू था।

142 अब्राहम ने कहा, "सारा, क्या तुम हँसी? "

143 "नहीं, मैं कभी नहीं हंसी।"

144 कहा, "हाँ, तुम हंसी।" यह किस प्रकार की दूरानुभूति है? यह किस प्रकार का मनो का पढ़ना था?

वह आज भी उसी तरह से करता है। वह यहोवा–यीरे है, यहोवा–राफा है, वही कल, आज और युगानुयुग एक सा है। वह कभी विफल नहीं होता।

145 उसकी ओर देखो। वहाँ वह खड़ा है। सीधे वहां चला गया और अब्राहम से बात की; और उसकी दृष्टि से लुप्त हो गया। और महान कुलपिता अब्राहम ने कहा कि उसने "परमेश्वर के साथ आमने–सामने बात की, एलोहीम," वही परमेश्वर। क्या इसे पकड़ा? ना ही कोई तीन व्यक्ति, भाई। एक ही व्यक्ति के तीन कार्य स्थान!

146 आदि में वही था, वह वही महान आत्मा था, वो झरना जहां सारी सत्यता, सारा प्रेम, सारी शांति थी। हर एक चीज जो शुद्ध थी इस झरने में थी। ये एक शरीर, एक दैविक शरीर, का रूप लेना आरंभ करता है, उस तरह का शरीर जिसमें हम जाते हैं। ना ही महिमावंत शरीर, लेकिन जैसे दूत का शरीर; आकार, रूप।

147 जब भी मैं एक पेड़ को देखता हूं, सोचता हूं, "यह पेड़ नेगटिव है। कहीं न कहीं एक वास्तविक है।" वह पेड़ किसी चीज से बना हुआ था। एक बुद्धिमत्ता ने इसे बनाया। और यह सारी धरती जो करती है वह स्वर्गीय को प्रतिबिम्बित करती है। बाईबल ऐसा कहती है। और यदि यहां कोई पेड़ है जो नष्ट होना है, तो महिमा में एक है जो नष्ट नहीं होगा।

148 यदि मैं एक मनुष्य को देखता हूं, मैं एक प्यारा सा युवा जोड़ा देखता हूँ, पुरुष और उसकी पत्नी, रास्ते पर से चलकर जा रहे है, वे ह्रदयप्रिय एक साथ है, यह किसका प्रतिबिंब करता है? प्रभु का नाम धन्य हो! वहां स्वर्ग में एक है जो कभी नाश नहीं होगा। "यदि यह धरती पर का डेरा गिराया जायेगा, तो हमारे पास पहले से ही एक रुका हुआ है," दैविक शरीर।

149 तब आपको त्रिएकता मिलती है: वो महान आत्मा, पुत्र, यीशु में वास करती है; यीशु कलीसिया के अंदर वास करता है। "उस दिन, तुम जानोगे कि मैं पिता में हूं, पिता मुझ में है, और मैं तुम में हूं।" [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।] जो कुछ परमेश्वर था, उसने यीशु में उंडेल दिया; जो कुछ यीशु था, उसने कलीसिया में उंडेल दिया। वहां आप हैं। "मैं पिता में, पिता मुझ में; मैं तुम में, और तुम मुझ में।" वहाँ वो—वहां वो शरीर है।

150 कलीसिया के साथ यही बात है। उन्हें छोटी बूढ़ी क्रूर, स्त्री जाति की, बूढ़ी महिला के किसी प्रकार के सिद्धांत को सिखाया गया है, जो इधर–उधर दौड़ती फिरती और सूप का भोज करती और ताश के पत्तो की पार्टी करती है। कोई आश्चर्य नहीं कि हमारे पास गड़बड़ी का वो एक झुण्ड हमें मिला है। हमें बच्चों के कार्यक्रम और छोटे से सूप के भोज की आवश्यकता नहीं

है। हमें जिस चीज की आवश्यकता है, वो है एक ठोस पुराना सुसमाचार, और विश्वास के पुरुष जो वहां तलवार लटकाये हुए हो, और चुनौती को दे रहे हो। आज हमें जिस की आवश्यकता है, न ही कोई तुच्छ धर्मज्ञान और किसी मनुष्य के बनाये किसी गुट के सिद्धांत की। हमें प्रकाश और सामर्थ और पवित्र आत्मा के प्रमाण में प्रचार किये गए ठोस सुसमाचार की आवश्यकता है।

151 अब यहां ध्यान दे।

> जैसा उस ने कहा, *उसने* किसी और *दिन* को ठहराया, *दाऊद के पुस्तक में कहा,...*
>
> *... यदि यीशु ने उन्हें विश्राम दिया* होता,... *क्या उसने... दुसरे दिन की चर्चा नहीं की होती।*
>
> लेकिन *वहां... परमेश्वर के लोगों के लिये विश्राम बाकी है।*
>
> *क्योंकि जिस ने उसके विश्राम में प्रवेश किया है,... उस ने भी परमेश्वर की नाईं अपने कामों को पूरा करके विश्राम किया है।*

152 अब हम कहाँ पढ़ेंगे? मत्ती, बीस–... 11वा अध्याय, 27वा पद।

> जो पिता *ने मुझे सब कुछ सौंपा है,* यानी *मुझे सौंपा है जो मेरे पिता का है: और कोई पुत्र को नहीं जानता, केवल पिता;* (तो ठीक है।) *और कोई भी मनुष्य पिता को नहीं जानता, केवल पुत्र और वह जिस पर पुत्र उसे प्रगट करना चाहे।*

153 देखो, ये ऐसा नहीं है कि आप कितना सीखते हैं, कितना अधिक वो—वो बिशप आपसे चाहता है कि आप जाने। यह तो ऐसा है कि परमेश्वर कितना चाहता है कि आप जाने। यदि आप इस प्रकाशन को नहीं देख सकते हैं, तो बिशप से मत पुछो। परमेश्वर से पूछो। अपने पास्टर से मत पूछो। परमेश्वर से पूछो। "पुत्र उसे प्रकट करता है," *वो*, व्यक्तिगत सर्वनाम।

154 सुनना। यह आपको झटका देगा। यहाँ वो आज्ञा है। पौलुस ने कहा, "यदि वो एक और दिन छोड़ देता, तो वह इसके बारे में बोलता।" लेकिन यहाँ उसने क्या कहा।

> *हे सारे परिश्रम करने वालों और बोझ से दबे लोगों, मेरे पास आओ, और मैं तुम्हें सब्त दूंगा, विश्राम।*

मेरा जूआ अपने ऊपर ले लो, और मुझ से सीखो; क्योंकि मैं नम्र और मन का दीन हूं: और तू *अपने* प्राण *के लिये सब्त को पाएगा।*

क्योंकि मेरा जूआ सहज है, और मेरा बोझ *हलका है।*

155 देखो पौलुस ने क्या कहा।

... यदि यीशु ने उन्हें विश्राम दिया होता,... वह किसी दुसरे की चर्चा ना करता।

लेकिन *उसने किसी एक दिन को* ठहराकर... *दाऊद की पुस्तक में कहता है,... इतने दिन के बाद;...* जब तुम *उसका शब्द सुनो, तो अपने हृदय को कठोर न करो।*

"और वहाँ बाकी रहता है... " अब सुनना, 9वां पद।

सो जान लो कि परमेश्वर के लोगों के लिये सब्त, *विश्राम बाकी है।*

क्योंकि जिस ने, पुरुष या स्त्री *उसके विश्राम में प्रवेश किया है...*

"हे सब परिश्रम करने वालों और बोझ से दबे लोगों, मेरे पास आओ, मैं तुम्हें विश्राम दूंगा।"

... उस ने भी परमेश्वर की नाईं अपने... कामों को पूरा किया *है।*

156 आप बीस वर्ष के हो सकते हैं। आप हो सकता है तीस वर्ष के रहे हो। आप हो सकता है पचास वर्ष के रहे हो। लेकिन जिस मिनट आप परमेश्वर की आवाज़ को अपने हृदय में खटखटाते हुए सुनें, इसे कठोर न करें। फिर प्रवेश... "वो जो मेरे वचनों को सुनता है, उस पर विश्वास करता है जिसने मुझे भेजा है, उसके पास अनन्त जीवन है, और कभी भी दोष में नहीं आएगा, लेकिन मृत्यु से जीवन में पार हो गया है।"

157 "बताये, भाई ब्रंहम, क्या होता है? " आपको पवित्र आत्मा मिलता है। मसीह आप में आता है। क्या यह सही है?

158 मेरे साथ यशायाह के 28वें अध्याय को खोले, और आइए पढ़ते हैं। यशायाह, 28वां अध्याय, देखें कि भविष्यवक्ता ने इसके बारे में क्या कहा।

मत्ती... 28, 8वें पद से आरंभ करते है। यहाँ अंत के दिनों की स्थिति है। हमें एक मिनट में बंद करना होगा।

क्योंकि सारे टेबल, उल्टी से भरे होंगे *और... कोई भी स्थान शुद्ध नहीं बचा।*

159 मुझे एक मिनट रुकने दो। जैसा कि एक रात को एर्नी ने कहा, वो किसी से बात कर रहा था। एर्नी फैंडलर, यह भाई यहाँ जो स्विट्जरलैंड से है, उसने कहा, "मैं रुक गया हूँ और इसे अंदर जाने दो।"

160 मैं चाहता हूं कि यह अंदर चला जाए।

... कोई भी स्थान शुद्ध नहीं बचा।

क्योंकि सारे टेबल, उल्टी से भरे *होंगे...*

और जैसे एक *कुत्ता* उसकी *उल्टी* के पास जाता है... *और* एक सुअरी... *उसके* कीचड़ की ओर, वैसे ही लोग वापस मुड़ जाते हैं।

161 मेथोडिस्ट आपके साथ क्या मामला है? आपके पास उजियाला हुआ करता था। क्या हुआ? परमेश्वर ने इसे आपके हाथ से ले लिया, और इसे नासरीन लोगो को दे दिया।

नाज़रीन लोगो आपको क्या हुआ? आपके पास एक समय उजियाला था। परमेश्वर ने इसे आपके हाथो से ले लिया और इसे पेंटीकोस्टल को दे दिया। सही है। आप जो चर्च ऑफ गॉड है और तुम में से बाकी के होलीनेस लोग, क्योंकि आपने उजियाले को ठुकरा दिया, आपने अपने आप को संगठित कर दिया और कहा, "हम *इस* से और ज्यादा विश्वास नहीं करेंगे," परमेश्वर सीधा बाहर चला गया और उसने आपको दिखाया कि उसके पास ऐसे लोग हैं जो उसका अनुसरण करेंगे।

162 आपको क्या हुआ पेंटीकोस्टल लोगो? आपके पास उजियाला था। परमेश्वर ने इसे आपसे छीन लिया है।

अग्नि का खंभा आगे बढ़ता है। हर बार अग्नि का खंभा आगे बढ़ा, कलीसिया उसके साथ आगे बढ़ी।

और जब लूथर संगठित हुआ, कैथोलिक कलीसिया से बाहर, उसकी अपनी कलीसिया, अग्नि का खंभा आगे बढ़ गया और वेस्ली उसके साथ आगे बढ़ा।

वेस्ली ने संगठित किया और उसके संप्रदाय को बनाया, और अग्नि का खंभा आगे बढ़ गया और नाज़रीन उसके साथ आगे बढे।

नाज़रीन संगठित हो गए, और चर्च ऑफ गॉड उसके साथ गया; और उन्होंने कहा कि वे एक संप्रदाय नहीं हुए थे, लेकिन वे हुए थे।

163 फिर क्या हुआ? अगली बात जो हुई, पेंटीकोस्टल ने आग को देखा, और वे दूर चले गए। और आपने क्या किया? आपने अन्यजुबान से एक मत सिद्धांत बनाया, और इसे संगठन बना दिया कहा, "पवित्र आत्मा को पाने से पहले सभी को अन्यजुबान में बोलना था," तब परमेश्वर सीधा आगे बढ़ गया और आपको वहीं छोड़ दिया जहां आप हैं।

164 आपको क्या हुआ वननेस? आपने यीशु के नाम का बपतिस्मा पाया। आपने इसमें से एक मत सिद्धांत बनाया, और इसके बाकी से अपने आप को अलग कर लिया, और परमेश्वर सीधा आगे बढ़ गया और आपको वहीं छोड़ गया। सही है।

165 आपके साथ क्या हुआ असेंबली ऑफ गॉड, पुरानी प्रमुख परिषद? आपने अपनो में से एक संगठन बनाया, और परमेश्वर सीधे आगे बढ़ गया और आपको छोड़ दिया। और अब आप एक ठंडे, औपचारिक झुंड के अलावा कुछ नहीं हैं, जैसे वे बाकी के है।

और अग्नि का खंभा आगे बढ़ता जाता है। हाल्लेलुय्या!

... सारी मेजे उल्टी से भरी हुई हैं...

166 प्रभु भोज की ओर देखे। क्यों, वे यहाँ तक... मैं उस स्थान पर गया था जहां वे पुरानी रोटी को लेते हैं। और वो रोटी को बिना खमीर की रोटी से बनी हुई होनी चाहिए। और वे इस रोटी को पापी लोगो को, सिगरेट पीने वालों, व्यभिचारीयों, वेश्याओं को देते हैं, जब तक कि उनका नाम उनके किताब में दर्ज है।

167 और यहाँ तक आप बैपटिस्ट भी इसे "क्लोज" सदस्यों के लिये प्रभु भोज कहते हैं अब, तुम बैपटिस्ट लोग थोडा डींग मारते हो, परमेश्वर तुम्हारे सिंग को निकाल देगा। यह बिल्कुल सही बात है, तुम इसे बजा नहीं सकोगे। "सदस्यों के लिये" प्रभु भोज, आप अपने आप को अलग करते हैं, जिससे कि आप जो है उससे अधिक पवित्र दिखाई दो।

याद रखें, यह एक बैपटिस्ट आराधनालय है। यही है जो आपको मिलता है, आप अपने को संगठित करते हैं। "ओह," आप कहते है, "हम एक संगठन नहीं हैं।" जी हाँ, आप हो। निश्चय ही, आप हो। आप कहते है, "हम एक संगती हैं।" हाँ, जो कोई भी द्वार पर आता है और वैसा ही सिखाते हैं जैसा आप विश्वास करते हैं, यह ठीक बात है। लेकिन, उस एक को, आप—आप उसे बाहर नहीं निकालेंगे, लेकिन आप उसे अपने भाईचारे से बहिष्कृत कर देंगे। यह बिल्कुल सही है। ओह, आपके पास इसे करने का एक तरीका है। वैसे ही परमेश्वर के पास करने का एक तरीका है। लेकिन परमेश्वर की कलीसिया आगे बढ़ेगी। अग्नि का खंभा उसके लिए रुकेगा नहीं।

... सारी मेजे उल्टी से भरी हुई हैं...

168 अब सुनना। अब यह आपको एक मिनट में चौंकाने वाला है। सुनना। मैं वचन को पढ़ूंगा। यह कौन था? वो भविष्यव्यक्ता, यशायाह।

... सारी टेबल उल्टी से भरी हुयी हैं... सो वहां कुछ भी शुद्ध नहीं बचा है, बस सफलता पाने के एक दुसरे की हानि पहुंचाते है।

169 कलीसिया में आते है: महिलाएं अपने बालो को काटकर छोटे–छोटे करती हैं, छोटे कपडे पहनती है, बाहर निकलकर और पुरुषों को सड़क पर आते हुए देखती है; आंगन में घास काटना, छोटी लड़कियां किसी को उस कुत्ते या भेड़िये की सीटी को बजाते हुए सुनना चाहती हैं, ये जो कुछ भी हो, आप जानते होंगे, "व्यू–व्यू!" ओह, आप सोचती है कि आप अति सुंदर हैं, क्या नहीं सोचती?

170 और तुम पुरुष लोग मुंह में सिगार लिए हुए सड़क पर चलते हो, और सभा में एक डिकन हो। आप एक कटे सिंग वाले टेक्सास के बैल की तरह दिखते हैं। और तब आप सोचते हैं कि आप कोई तो हैं। यह बिल्कुल सही बात है। कोई आश्चर्य नहीं कि सारी टेबल... वहां चलकर जाते है और प्रभु भोज लेते है, और ऐसा आचरण करते है जैसे आप कोई तो हो, और सारे सप्ताह भर धोखा देते हो, और चोरी करते हो और झूठ बोलते हो। आपके साथ क्या मामला है?

... सारी मेजे उल्टी से भरी हुई हैं...

171 "ओह, मैं प्रभु भोज लेता हूँ। निश्चय ही, हम इसे अपने कलीसिया में करते हैं। यीशु ने कहा कि यदि हम प्रभु भोज लेते हैं तो वह अंत के दिनों में हमें उठा कर खड़ा करेगा।"

172 लेकिन, "वो जो अनुचित रूप से खाता पीता है, वह इस खाने और पीने से अपने ऊपर दण्ड लाता है, प्रभु की देह को नही पहचानता। इसी कारण तुम में से बहुत से निर्बल और रोगी हैं, और बहुत से मर भी गए," पुरानी, मरी हुई, औपचारिक कलीसियाये। परमेश्वर का आत्मा आप में से जा चुका है। अग्नि का खंभा वहां अब और नहीं है। आप दैविक चंगाई से इन्कार करते हैं। आप पुनरुत्थान से इन्कार करते हैं।

173 "ओह," आप कहते है, "ओह, वो ऐतिहासिक रूप से मरे हुओं में से जी उठा।" तो ठीक है, आज उसके वही होने के विषय में क्या, यदि वो मरे हुओं में से जी उठा है? आप कहते है, "ओह, ऐसा नहीं है।" अब, आप वहाँ हो। आपके पास उस तरह से पुनरुत्थान है जैसे इसे आप चाहते हैं, और परमेश्वर ने इसे उस तरह से प्राप्त किया है जैसा वो चाहता है।

174 लेकिन, बात ऐसी है कि, बाईबल ने कहा, हम जो जानते हैं वह सत्य है, कि वो वचन की पुष्टि करेगा। "और जो काम मैं करता हूं, वो काम तुम भी करोगे। और मैं संसार के अंत तक हमेशा तुम्हारे साथ रहूंगा।" "यीशु मसीह कल, आज और युगानुयुग एक सा है।" यही है जो वचन ने कहा।

175 अब सब्त क्या है?

... सारी टेबल उल्टी से भरे हुई हैं... कोई भी शुद्ध नह बची।

वह किस *को ज्ञान सिखाएगा?*

ना ही सांसारिक ज्ञान; आत्मिक ज्ञान!

वह किसको *ज्ञान सिखाएगा? ... किस को वो... अपने समाचार का अर्थ समझाएगा?*

176 "ओह, परमेश्वर धन्य हो, हमारा संगठन इस पर विश्वास नहीं करता है। वे इसके साथ नहीं खड़े हो सकेंगे।" ... कौन परवाह करता है कि आपका संगठन क्या विश्वास करता है। परमेश्वर का वचन इसके विषय में क्या कहता है? "ओह, खैर, हमारा पास्टर, आप जानते हैं, वो पढ़ा–लिखा हैं।" ओह, यकीनन। निश्चय ही, इतनी अधिक शिक्षा को प्राप्त किया है, उन्होंने इसमें से परमेश्वर को छोड़ दिया। सचमुच, क्योंकि आप उन्हें

वचन को बता सकते हैं और वे वहां आएंगे और कहेंगे, "ठीक है, मैं इसे इस तरह से विश्वास नहीं करता।" ओह, तुम डरपोक जीव हो! मुझे आपको कहने दो।

177 यहाँ देखो।

> ... किस *को वो... अपने समाचार का अर्थ* समझाएगा? *क्या उन को जो स्तन छुड़ाए हुए है, और... क्या उन को जो दूध से छुड़ाए हुए है, और स्तन से अलगाए हुए हैं।*

178 एक दिन, मेरा एक पड़ोसी आया। उसने कहा, "बिली, शहर का कोई एक पास्टर, जो सबसे प्यारा छोटा सा व्यक्ति है जिसे आपने कभी देखा है... " कहा, "मैं और पत्नी अपना पजामा पहने हुए थे, लगभग आधी रात का समय था, और वह छोटा सा पास्टर अंदर चलकर आया और उसने—उसने—उसने हमारे साथ कॉफी पी और वो उसे दूसरे पड़ोसी के घर को लेकर गया, और उस ने उनके साथ हाथ मिलाया। उनके पास एक छोटा सा ताश के पत्तो का खेल था, और वो वहां बैठ गया और उनके साथ ताश खेलने लगा।" कहा, "ओह, वह सबसे मिलनसार छोटा सा व्यक्ति था जिसे आपने कभी देखा है।" कहा, "ओह, हम उससे प्रेम करते हैं। हम किसी भी बात के लिए उसे छोड़ नहीं पाएंगे।"

179 मैं थोड़ी देर तक वहीं खड़ा रहा, मैंने सोचा, "अच्छा? "

180 कहा, "ओह, क्या आप नहीं सोचते कि हर कलीसिया को उस तरह के एक मनुष्य की आवश्यकता है? " हुंह! मैं इसका उत्तर नहीं दे सका। उसने कहा, "एक और छोटे से स्थान में," कहा, "उनके पास क्या ही सुंदर स्थान था। यह सेवक और उसकी पत्नी, प्यारे लोग है, बाहर जाकर और बच्चों के साथ इस कदर व्यवहार करते है यहाँ तक कि उनके पास एक—एक बाईबल स्कूल भी है।" और कहा, "उनके पास बस इतना कुछ था, बस छोटे बच्चों के साथ चीजो को लबालब भर दिया।" कहा, "ओह, वह छोटे बच्चों को हर तरह की छोटी–छोटी कहानियों को सुना सकता है।"

181 मैंने कहा, "यह अच्छी बात हैं। यह बहुत अच्छा है।"

182 मैं वापस चला गया। मैं तभी कनाडा से आया था। मैंने सोचा, "मैं यहां हूं। प्रभु! लोग... मेरे साथ क्या मामला है? मैं ऐसा क्यों नहीं करता हूँ।" मैं अपनी कार धोने चला गया। मैंने सोचा, "परमेश्वर, मैं बूढ़ा मनुष्य बनते जा

रहा हूं, और मैं यहां हूं। मैं लड़ा हूँ। मैं रोया हूँ। मैंने विनंती की है। और मैंने जो कुछ भी पाया एक बड़ी निन्दा ही पाया है।"

183 कुछ भी, किसी को तुम्हारे बारे में कुछ भी बुरा कहने दो, "ओह, वो पुराना पवित्र–शोर मचाने वाला," ऐसा ही कुछ तो।

184 मैंने इसके बारे में सोचा। और एक आवाज मेरे पास आयी, कहा, "वे लोग ठीक है यदि वे ऐसा कर रहे हैं, लेकिन मैंने तुम्हे ऐसा करने के लिए कभी भी नहीं बुलाया। मैंने तुम्हें तलवार लेकर और यहोशू की नाई वहां खड़े होने और चुनौती को देने के लिए बुलाया है, भाई। किसी उस पुराने समाज या किसी कलीसिया संगठन के साथ समय मत गवाओ, लेकिन शैतान को चुनौती दो। सबसे आगे खड़े रहो, सही को सही करो, और गलत को गलत। वचन का प्रचार करो और देखो कि किसके पास उस पर भरोसा करने का विश्वास है। उसे वहाँ आगे रखो।"

185 मुझे उस कार को हर समय, धोने के लिए जल्दी–जल्दी करना पड़ा। मैंने कहा, "धन्यवाद प्रभु। धन्यवाद प्रभु।" तब मुझे अच्छा महसूस हुआ। "यह ठीक है, प्रभु, मैं उसे थोड़ा और कसकर पकड़ लूंगा, और मैं इसे अपने हाथ में लेकर मरना चाहता हूं।"

... मैं किस को *अपने समाचार का अर्थ* समझाऊं? (सुनना।)

... टेबल उल्टी से भरे हुए हैं...

... क्या उन को जो दूध छुड़ाए हुए और स्तन से अलगाए हुए हैं।

अब देखो।

क्योंकि आज्ञा वैसे ही *उस ऊपर—ऊपर आज्ञा, आज्ञा पर आज्ञा;... नियम पर नियम; थोड़ा यहां, और थोड़ा वहां:*

क्योंकि हक़लाते होंठ और अन्य जुबान *के बोलने के द्वारा मैं इन लोगों से बात करूंगा।*

जिन से इस *ने कहा, यह* सब्त *है* इसी के *द्वारा थके हुए को विश्राम दो;... यह* आराम *है: परन्तु उन्होंने सुनना न चाहा:*

क्योंकि *प्रभु का वचन उनके पास* आया (किसी ने इसका प्रचार किया।) *आज्ञा पर आज्ञा,... आज्ञा पर आज्ञा; नियम पर नियम,... पर नियम है, थोड़ा यहां, थोड़ा वहा; जिस से वे ठोकर*

खाकर चित्त गिरे और घायल हो जाएं, और फंदे में फंस कर पकड़े जाएं।

186 विश्राम क्या है? विश्राम कब आया? जब लोगो ने अन्य जुबानो में बोला और उनके होंठ हकलाते होंठ थे। हकलाते हुए होंठ; वे कुछ नहीं बोले। वे हकलाये। ऐसा कब हुआ? पेंटीकोस्ट के दिन, जब पवित्र आत्मा आया। यह विश्राम है: वो पवित्र आत्मा। यीशु ने कहा, "हे सब थके हुओं और भारी बोझ से दबे लोगों, मेरे पास आओ, और मैं तुम्हें विश्राम दूंगा। मैं तुम्हें जीवन दूंगा, अनन्त जीवन," *जोई*, परमेश्वर का खुद का जीवन। परमेश्वर आप के अंदर आएगा और आप का भाग बनेंगा। वह आपको जन्म देगा और आपको एक पुत्र और कन्या बनाएगा।

187 अब देखो। वह तीसरा विश्राम था जो उसने दिया था। पहला: परमेश्वर ने इसे उसके कार्य से पाया। दूसरा: इस्राएल ने इसे व्यवस्था में पाया। तीसरा: कलीसिया ने इसे पाया, परमेश्वर के भाग के नाई।

188 तीन जीवन की संख्या है। यह कितने लोग जानते हैं? हर समय आप तीन को देखते हैं, यह जीवन है। ध्यान दें, जब परमेश्वर ने पृथ्वी की सृष्टि की, तीसरे दिन पर जीवन था। यह कितने लोग जानते हैं? तीसरे दिन। सृष्टि के तीसरे दिन पर जीवन आया।

त्रिएकता: पिता लोगों से ऊपर था, एक अग्नि के खंभे में; पुत्र एक मनुष्य था, जिसने लोगों से बात की और उन्हें तैयार किया; पवित्र आत्मा तीसरा कदम था, जो पवित्र आत्मा था, लोगो में परमेश्वर। जीवन! पिता, पुत्र...

विश्राम, परमेश्वर का; विश्राम, इस्राएल का; और विश्राम, कलीसिया का, सब्त को मानने वाले।

189 इसलिए, यदि आपने कभी भी पवित्र आत्मा को नहीं पाया है, अब भी, आपने कभी भी परमेश्वर के विश्राम में प्रवेश नहीं किया है। आपको ऐसा नहीं कहना है, "ओह, मैं नहीं कर सकता। मैं धूम्रपान करना चाहता हूँ। मैं—मैं बस इसे नहीं कर सकता; मैं एक मसीही हूं। मैं वास्तव में शराब नहीं पीना चाहता, लेकिन मैं एक मसीही हूं। मैं बस नहीं पी सकता, पीना नहीं चाहता, लेकिन फिर भी मुझे पसंद है।"

190 यदि आप महिलाओं के प्रति अभिलाषा रखते हैं, यदि आप इन सारे अधर्म के कामो को करते हैं, तो आपने अभी तक उस विश्राम के समयावधि में नहीं पहुंचे है। आपने कभी भी विश्राम में प्रवेश नहीं किया है।

191 और जब आप इस विश्राम में प्रवेश करते हैं, आपने भी परमेश्वर की नाईं अपने कामों को पूरा करके विश्राम किया है। क्यों? आप परमेश्वर के भाग हो। आप विश्राम करते है, अनंतता के लिए। वहां आप हैं। यही वो सब्त है। "हे सब परिश्रम करने वालों, मेरे पास आओ।"

उसने किसी विशेष दिन को ठहराकर, ... *इतने दिन के बाद जो* आज *है* दाऊद की पुस्तक में; ... जब तुम *उसका शब्द सुनो, तो अपने मनों को कठोर न करो।*

192 बस अब एक या दो वचन यहाँ और लेंगे, हम समाप्त करेंगे।

क्योंकि वो जो मसीह *के विश्राम में प्रवेश कर चुका है, ...*

मेरे पास आओ, तुम सारे परिश्रम करने वालो और... बोझ से दबे...

... आपने भी *परमेश्वर की नाईं,* सातवे दिन पर *अपने कामों को पूरा करके विश्राम किया है।*

आपका हो सकता है तीसवां वर्ष हो, चालीसवां वर्ष हो, पांचवां वर्ष हो, ये कुछ भी है। आपने भी परमेश्वर की नाईं, अपने कामों को पूरा किया है, अनंतता के लिए। आप अब संसार की चीजों को और नहीं चाहते। संसार आपके लिए मर चुका है।

193 अब, 11वाँ पद अब, ध्यान से सुनना।

आइये हम उस विश्राम में प्रवेश करने के लिये परिश्रम करें, (ना ही *इस* एक से, ना ही *इस* से, लेकिन *इस* एक से), *कि कोई जन उन की नाईं आज्ञा न मान कर गिर पड़े।*

194 यह क्या है? अग्नि का खंभा यहाँ है। प्रभु का दूत हमारे साथ है। वो उसी काम को कर रहा है जो उसने कहा था कि वह करेगा। और लोग यहां–वहां ठोकर खाते फिरते है, कहते हैं, "ओह, ठीक है, मैं सोचता हूँ कि यह ठीक है। वह बहुत अच्छा है। ओह, मैं सोचता हूँ कि यह ठीक है।" सावधान रहो कि आप उसी अविश्वास के फंदे में पड़कर ना गिरे। आप इसे अपने पूरे ह्रदय से ले।

195 देखो।

क्योंकि परमेश्वर का वचन (ना ही कलीसिया का मत सिद्धांत), *परमेश्वर का वचन* तेज, अधिक *शक्तिशाली, ... और*

हर एक दोधारी तलवार से भी अधिक चोखा है, (सुनना), *यहाँ तक... आत्मा को, प्राण को छेदता है... गांठ–गांठ, और गूदे–गूदे को अलग करता है, और...* (सुनना), *और मन की भावनाओं और विचारों को जांचता है।*

यह क्या था? पवित्र आत्मा आकर और कह सकता है, "तूने एक *ऐसे–ऐसे* काम को किया। और तूने *यह* किया और *वो* किया। तुम्हे *इस* तरह की बीमारी है, और *वह* है। यदि तुम *इसे* सही करोगे, तुम *यह* करोगे।" देखा? विचारों को परखने वाला।

196 और लोग कहते हैं, "ये क्या है? क्योंकि, यह मानसिक मनो को पढना है। क्योंकि, यह एक... वह एक भविष्य बताने वाला है।" देखा मेरा क्या अर्थ है? यह एक दुष्ट, पुराना व्यभिचारी संसार है जो परमेश्वर को नहीं जानता।

197 "यह तेज, विचारशील, दोधारी तलवार से भी अधिक प्रबल है, और हृदय के इरादों और विचारों को जांचता है।"

अब, ये कौन है जो हृदय के इरादों को जानता है? परमेश्वर। आपने कहा, "तो ठीक है, बाईबल ने कहा, 'परमेश्वर का वचन।'" परमेश्वर का वचन ही परमेश्वर है।

आदि में वचन था,... वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था।

और वचन देहधारी हुआ, और हमारे बीच में डेरा किया,...

198 परमेश्वर विचारों को जांचता है। अब्राहम ने उसकी पीठ फेरी थी, और—और इसी रीति से परमेश्वर ने अपनी पीठ तंबू की ओर फेरा हुआ था। और सारा हंसी। और परमेश्वर ने मुड़कर, कहा, "सारा को क्यों हंसी आई?" हृदय के विचारों का एक जांचनेवाला! मैं चाहता हूं कि यह बात थोडी आपके अंदर चली जाए।

199 फिर जब उस तरह की सेवकाई ऊपर आती है, जिसकी परमेश्वर ने अंतिम दिन में प्रतिज्ञा की थी, क्या होता है? "मानसिक मनो को पड़ने वाला है।"

200 क्या उन्होंने, स्वयं प्रभु को "बालजबुल" नहीं बुलाया? उसने कहा, "यदि उन्होंने घर के स्वामी को 'बालजबुल' कहा तो वे उसके चेलो को और कितना अधिक कहेंगे? "

201 मैं आपसे प्रेम करता हूँ। यह दिखाता है कि आपको काफी दिलचस्पी हैं, आपको सुसमाचार सुनने के लिए वातानुकूलित ईमारत में आने की आवश्यकता नहीं है। आप इतने भूखे होते हो कि ऐसी जगह पर आते हो। परमेश्वर हमें कभी भी इसके अलावा और कुछ नहीं बनाने देगा। हम इसे इसी तरह से पसंद करते हैं। बस एक छोटा सा पुराना कमरा, लेकिन हम इसे इसी तरह से पसंद करते हैं। परमेश्वर चमक–दमक में वास नहीं करता। परमेश्वर नम्रता में वास करता हैं। हम इसे इसी तरह से पसंद करते हैं। हम यहां आकर खुश है, और आप भी इस तरह के एक—एक स्थान में बैठकर खुश है। कोई फर्क नहीं पड़ता कितनी भी गर्मी हो, आपको अपने नए सूट, आपके नए कपड़ो पर कितना पसीना आता हैं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।

आप अनन्त जीवन को सुन रहे हैं, परमेश्वर के वचन को जो आपके हृदय के विचारों को जानता है। अग्नि का खंभा जो इस्राएल के बच्चों के ऊपर मंडरा रहा था, वो आज रात यहाँ मंडरा रहा है। मैं इसकी चुनौती दे सकता हूँ: कोई भी व्यक्ति यहां पवित्र आत्मा की सामर्थ के नीचे खड़ा नहीं हो सकता है बिना परमेश्वर के बस उसे सीधे बाहर फेंक देगा और उसे बताता है कि वह क्या था। यह सही बात है। वहां आप हैं।

202 ये क्या है? ये क्या है? ये वही आत्मा है जो इस्राएल के संतान को उनके विश्राम की ओर अगुवाही की, और वे अविश्वास के कारण गिर गए। आप मत गिरना। यह आखिरी मौका है। पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा, जीवन वहाँ से होकर आता है।

203 धर्मीकरण, मार्टिन लूथर, अब भी एक धर्म का एक रूप है। पवित्रीकरण... मार्टिन लूथर; जॉन वेस्ली; पवित्र आत्मा का बपतिस्मा, जीवन। धर्मीकरण, विश्वास करना है; पवित्रीकरण, साफ़ करना है; पवित्र आत्मा, जीवन का भरा जाना है। ना ही लूथरन युग में से होते हुए; उनके पास यह एक रूप में था। ना ही वेस्ली युग में से होते हुए; उनके पास यह एक रूप में था। लेकिन यह वो युग है जब पवित्र आत्मा स्वयं आता है ।

204 और यदि आपने इसे नहीं पाया है, तो आप भला कैसे, क्या आप अद्भुत कार्यों पर विश्वास कर सकते हैं? यह विश्वास करने के लिए, आप में परमेश्वर को लेता है। आप परमेश्वर की तरह कार्य करते हैं। आप परमेश्वर की तरह जानते हैं। आप परमेश्वर की तरह सोचते हैं। बाईबल ने कहा कि तुम अप्रवीण, छोटे "परमेश्वर" हो। यीशु ने ऐसा ही कहा। क्योंकि, तुम परमेश्वर के भाग हो।

बिल्कुल उसी तरह जैसे मैं एक छोटा ब्रंहम हूँ, और आप जो भी आप हो, और क्योंकि आपके माता–पिता का वो नाम हैं। आपका जो स्वभाव हैं वो इसलिए है क्योंकि आपके माता–पिता ऐसे हैं, कारण आप उनसे जन्मे थे।

और वो कारण कि तुम परमेश्वर पर विश्वास करते हो, और अद्भुत कार्यो में, और चिन्ह और चमत्कारो में विश्वास करते हो, क्योंकि आप परमेश्वर के पुत्र और कन्या हो। आप जीवन को पाते हैं। तीसरे पर जीवन आता है। तो ठीक है।

205 जब यीशु पहाड़ पर चढ़ कर गया, वह जहाँ कहीं भी गया, उसने पतरस, याकूब और यूहन्ना, तीन गवाहों को लिया। तीन जीवन की संख्या है। इसे पकड़ा? प्रेम, आनंद, शांति।

206 अब, आइये अब जल्दी से अध्याय के अंत की ओर जाये, जैसे कि हम पढ़ते हैं।

> *क्योंकि परमेश्वर का वचन* प्रबल, *और हर एक दोधारी तलवार से भी... बहुत* अधिक *चोखा है,...* और *यहाँ तक हृदय की इरादो को* जांचता *है।*
>
> *ना ही सृष्टि की कोई वस्तु है जो उसकी दृष्टी में प्रकट नहीं हुई है: वरन जिस से हमें काम है उस की आंखों के... साम्हने सब वस्तुएं खुली और बेपरदा हैं।*

207 भाई, वहाँ उसके इसे जाने बिना एक मक्खी भी वहां एक खंभे पर नहीं बैठ सकती। "सारी चीजे स्पष्ट है।" भाई, वो हर एक बात को जानता है जो आपने कभी की है, हर एक विचार जो आपने कभी सोचा था। यही तो वो है। हम इसी तरह से उस पर विश्वास करते हैं।

और जब परमेश्वर हमारे अंदर आता है, और हमें कलीसिया में रखता है, तो वह उसके अस्तित्व को संचालित करने के लिए कलीसिया में दानो

और चीजो को रखता है। यदि परमेश्वर वह अनंत परमेश्वर है, वह बीमारों को चंगा करता है। वह मुर्दों को जिला सकता है। वह कोढ़ियों को शुद्ध कर सकता है, अंधे को देखने को लगा सकता है। वो दर्शनो को दे सकता है। वह उसके कलीसिया के माध्यम से इन सभी प्रकार के कामो को कर सकता है, क्योंकि यह आप में परमेश्वर है। वहाँ वो कलीसिया है।

208 वह कलीसिया कैसे कलीसिया बनती है, इसे जुड़ने के द्वारा? नहीं, श्रीमान। हाथ मिलाने से? नहीं, श्रीमान। जल के बपतिस्मा के द्वारा? नहीं, श्रीमान। सदस्य बनने से? नहीं, श्रीमान। इसे कैसे पाएंगे? "क्योंकि एक ही आत्मा के द्वारा हम सब एक देह में बपतिस्मा लिया हैं।" वहां आप हैं।

209 रोमियों 8:1।

सो इसलिए अब उन पर दण्ड की आज्ञा नहीं...

"कोई सांसारिक दंड नहीं।" वे आप पर कुछ भी दोष नहीं लगा सकते।

इसलिए... जो मसीह यीशु में हैं, उन पर दण्ड की आज्ञा नहीं, क्योंकि वे जो *शरीर के अनुसार नहीं वरन आत्मा के अनुसार चलते हैं।*

210 वहां आप हैं। इस तरह से आप अपनी मसीहत को जाँच सकते हैं। इसी तरह से आप जान सकते हैं कि आपने उस विश्राम में प्रवेश कर लिया है, संसार आपको अब और चिंतित नहीं करता है। निश्चित रूप से। आप इसे देखते है, इससे दूर चले जाते है। आपके पास सोचने के लिए कुछ बेहतर है। वहां आप हैं, "कोई दंड नहीं।" इसी तरह हम देह में प्रवेश करते हैं।

211 और आप सुरक्षित हैं, "हमेशा के लिए।" बाईबल ऐसा कहता है। यहाँ इब्रानियों के 10वें अध्याय की ओर देखें। उसने कहा:

क्योंकि जहां बैल और बलि चढ़ाए जाते थे, *हर वर्ष* पाप *का स्मरण करके किया जाता* था।

लेकिन यह मनुष्य,... एक बलिदान के द्वारा...

उसका पवित्र नाम धन्य हो!

क्योंकि उसने एक ही बलिदान *के द्वारा सदा के लिए सिद्ध किया है...*

212 हाल्लेलुय्या! ना ही अगली बेदारी तक, लेकिन *सदा* के लिए। "पुरानी चीजे बीत गई हैं; और सारी चीजे नयी बन गई है।" हम उजियाले में चल रहे हैं, सुंदर उजियाला। पक्षी अलग ही गाते हैं।

213 यहाँ बैठी हुई, इस शराबी महिला की ओर देख रहा था, लगभग पांच वर्ष पहले की बात है, मैं सोचता हूँ। रोसेला, एक बड़ी–बड़ी चमकिली चमगादड़ आंखे, जो शिकागो की सड़कों पर चल रही थी, नशे में, यहाँ वहां लड़खड़ाते हुए, हर तरह का पाप जो वहां था उसमें चल रही थी, नशा करना और वह सब कुछ जो वह कर सकती थी। और एक रात, पवित्र आत्मा, जो तेज और दोधारी तलवार से भी अधिक शक्तिशाली है, कहा, "महिला, तुम एक शराबी हो।" हाल्लेलुय्या! क्या यह वही परमेश्वर नहीं है जो वहां पर पहले था, जो जानता था कि सारा उसके पीछे हँसी, मैं नहीं जानता कि वो क्या है।

214 श्रोताओं के बीच वह एक और छोटी स्त्री के पास गई, और उसे लिया, और वहां ले आई, कहा, "तुम एक नशे की आदि हो।" वह मन के विचारों को किस तरह से परखता है!

215 और वहाँ महान बड़े–बड़े वैभवशाली सेवक, वहां बैठे हुए थे जो दुनिया भर में सुसमाचार के प्रचारक है, अपने हाथो को पीछे बांधे हुए, टी–शर्ट में, सोचा कि हम उन्हें नहीं जानते हैं, जैसे वे इस तरह की एक सभा के नीचे बैठ सकते हैं और परमेश्वर प्रकट नहीं करेंगा कि वे कौन है। वहाँ बैठे हुए थे, वे अलग दिख रहे थे, जैसे वे कुछ तो और है। पवित्र आत्मा जानता था कि वे कौन थे। और वे वहां बैठे हुए थे, उन्होंने अपने ह्रदय में यह सोचा कि यह मानसिक मनो को पढना है। इतना अधिक वे परमेश्वर के बारे में नहीं जानते इसकी तुलना में एक हॉटनॉट या अफ्रीकी जाति मिस्र की रात के बारे में जानते होंगे। यह सही बात है। वे इसे शब्द से जानते हैं, लेकिन आत्मा से नहीं। "शब्द मारता है, लेकिन आत्मा जीवन को देता है।" ऐसा ही है। यही वो विचार है। "दोधारी तलवार से भी तेज, शक्तिशाली, ह्रदय के विचारों को परखने वाला।"

216 सुनना। देखो।

> *और सृष्टि की कोई वस्तु उस की दृष्टि से छिपी नहीं है: वरन उस की* आंखों के साम्हने *सब वस्तुएं खुली और बेपरदा हैं... जिस से हमें काम है।*

सो देखते हुए जब हमारा ऐसा बड़ा महायाजक है,... (अब सुनना; बीमारों के लिए।) *... जो स्वर्गों से होकर गया है, अर्थात परमेश्वर का पुत्र यीशु, तो आओ, हम अपने* अंगीकार *को दृढ़ता से थामें रहे।*

217 "दृढ़ता से थामें रहे," इसका मतलब यह नहीं है कि बस गवाही को देते रहें। यदि आप जीवन को नहीं जीते हैं, तो आप इसे दृढ़ता से थामें ना रहे; आप एक ढोंगी जीवन को जी रहे हो। आप... बेहतर होगा कि आप बाहर रहें और बस कहें कि आप एक पापी हैं और इसके बारे में भूल जाएं। मसीह होने का दावा करके, कुछ और जीवन को ना जीये; आप दुनिया की अब तक के सबसे बडे ठोकर का कारण हैं। यदि आप पापी हैं, तो इसे स्वीकार करें और आगे बढ़ें, परमेश्वर के साथ ठीक कर ले। यदि आप एक मसीही हैं, तो अपने अंगीकार को दृढ़ता से पकड़ें रहे, वहां बने रहे।

218 अब इसे देखें। मैं इसे लेना चाहता हूं इससे पहले हम यहाँ से जाए।

क्योंकि हमारा ऐसा महायाजक नहीं, जो *हमारी निर्बलताओं में हमारे साथ दुःखी न हो सके; वरन वह सब बातों में हमारी नाईं परखा तो गया... तौभी निष्पाप निकला।*

सुनना।

इसलिये आओ, हम अनुग्रह के सिंहासन के निकट हियाव बान्धकर चलें, कि हम पर दया हो सके, *और वह अनुग्रह पाएं* और *जो आवश्यकता के समय हमारी सहायता करे।*

परमेश्वर का नाम धन्य हो!

219 सुनना, बैपटिस्ट, प्रेस्बिटेरियन, लूथरन। आप मुझसे यह सवाल पूछेंगे, "अब्राहम ने परमेश्वर पर विश्वास किया, और यह उसके लिए धार्मिकता गिना गया था।" मैं जानता हूँ। यही है जिस बात पर हमेशा आप जाते हैं। यह सच है। "एक मनुष्य परमेश्वर पर विश्वास करने के अलावा और क्या कर सकता है?" यह बिल्कुल सही है। वह इतना ही कर सकता है। लेकिन जब परमेश्वर उस विश्वास को पहचान लेता है, तो वो आपको पवित्र आत्मा देता है।

220 "अब मुझे क्या करना है, भाई ब्रंहम? क्या मुझे चिल्लाना है?" जरुरी नहीं। "क्या मुझे अन्य जुबानो मैं बात करना है?" जरुरी नहीं। आप चिल्ला सकते हैं और जुबानो में बोल सकते हैं, दोनों कर सकते है, और फिर भी

एक—एक मुर्तिपूजक की तरह जीते है, और अब भी महिलाओं के प्रति अभिलाषा रखते है। आप अब भी धूम्रपान कर सकते और शराब पी सकते हैं, और हर एक चीज। मैंने देखा है कि लोग अन्य जुबान में बोलते हैं, और सीधे बाहर जाकर और कुछ सबसे गंदे, धूर्त व्यवहार के कार्य को करते है जो मैंने कभी देखे हैं। मैंने उन्हें चिल्लाते देखा है, और घड़ियाल के आंसू रोते देखा है, और जो कुछ भी आपने पकड़ा हो उसे चोरी कर लेते है। मैंने उन्हें बाहर जाते देखा है, और हर लड़की रास्ते से गुजरती है, मुड़ते है। हूँ–हुंह। यह एक सही चिन्ह है कि आपके पास यह नहीं है। यह सही बात है।

221 लेकिन, भाई, जब आप मृत्यु से पार होकर जीवन में प्रवेश कर चुके होते हो, वे सारी चीजे मर जाती हैं, और आप मसीह यीशु में एक नई सृष्टि होते है। यदि आप कुछ गलत देखते हैं, तो आप उसके लिए प्रार्थना करेंगे, "परमेश्वर दया कीजिये।" और यदि परेशानियों को देखते हो, बजाए इसके कि जाकर और बेकार की बाते करे और इसे और भी बदतर करने की कोशिश करे, आप उस व्यक्ति तक पहुंचने की कोशिश करेंगे और उसे सही करने की कोशिश करेंगे, और इसे तुरंत शांत करने की कोशिश करेंगे। यही आप में परमेश्वर का आत्मा है।

222 यदि आप गलती करते हैं? आप उनके अधीन होते हैं। यदि आप कोई गलती करते हैं, तो आप उसे तुरंत ठीक कर देंगे। "अपने क्रोध पर सूर्य को डूबने न दें।" इसी तरह से आप जानते हैं कि आप मृत्यु से जीवन में पार हो गए है, आपके पास प्रेम, शांति, आनंद, सहनशीलता, भलाई, नम्रता, धीरज होता है। हमारे पास महायाजक है, जो स्वर्ग में बैठा है, जो हमारे अंगीकार करने पर बिचवाई करने के लिए तैयार है। यह क्या है? यह तब हुआ जब यीशु लोगोस में वापस चला गया, अग्नि का खंभा जिसने इस्राएल के बच्चों का नेतृत्व किया, उनकी उपस्थिति में बैठे हुए वो महान, झरना, उन उजियालो का मेघधनुष जो बाहर आया, सात सिद्ध आत्माएँ, प्रेम की सिद्ध आत्मा।

223 अब देखो। पहला है *सिद्ध* प्रेम, यही परमेश्वर का प्रेम है, शुद्ध और बिना मिलावट का। अगला, जो वहाँ आता है, *फिलियो* प्रेम है, यही वो प्रेम है जो आपका अपनी पत्नी और अपने बच्चों के लिए होता है। अगला, उसके बाद गिरता है, जो *वासनापूर्ण* प्रेम है। अगला *अधर्म* प्रेम है। और

बस नीचे चलता जाता है जब तक कि यह *गंदगी* न हो जाए, बस दूषित होता जाता है, दूषित होता जाता है।

224 और हर एक जिसकी शुरुआत हुई थी, उसका अंत है। और वह सब तुरंत ले लिया जाएगा, और उसका बिल्कुल भी कोई स्मरण नहीं होगा, और किसी दिन सिद्धता पर सीधा वापस आ जाएगा। और एक ही रास्ता... आप यहाँ आधे रास्ते में नहीं रुक सकते और *यहां* पर नहीं पहुंच सकते। आपको पुरे रास्ते में से होकर अंदर जाना होगा, भरोसा करते हुए, यीशु मसीह आपको जो उद्धार देता है, विश्वास के द्वारा उस पर पूरी तरह से विश्राम करते हुए।

225 वहां एक ईमानदारी की आत्मा है जो परमेश्वर की ओर से आती है। यही वो झरना है, परमेश्वर का झरना। यही वो ईमानदारी है। उसके बाद वो मनुष्य है जो उसके पड़ोसी के लिए "एक भले काम" को करेगा। उसके बाद वो व्यक्ति है, "आपको उसे देखना होगा।" उसके बाद वो व्यक्ति है, "एक चोर है।" उसके बाद वो व्यक्ति है, "हत्यारा है," देखते रहे। देखा कि यह कैसे दूषित होता है, ठीक आगे और आगे? लेकिन वे सभी चीजें एक वास्तविक के बारे में बताती हैं।

226 यही तो मैं कहता हूं। हर समय जब आप किसी ऐसे व्यक्ति को देखते हैं जो... आप एक पति–पत्नी को सड़क पर चलते हुए देखते हैं, प्रिय, हो सकता है वे अस्सी वर्ष के हो। यह केवल इतना बताता है कि वहां स्वर्ग में एक युवा जोड़ा है जो उनका प्रतिनिधित्व करता है, स्वर्ग में। "यदि यह धरती पर का सेरा गिराया जाता है, तो हमारे पास वहां एक है।"

227 यदि आप किसी ऐसे मनुष्य को देखते है जो धोखा देता है, चोरी करता है, झूठ बोलता है, तो बस याद रखना, उसका भाग उसके लिए नर्क में रुका हुआ है, उसका स्थान जहाँ वो अग्नि और गंधक से परमेश्वर और पवित्र दूतों की उपस्थिति में तड़पेगा। वो वहां तडपेगा। ना ही हमेशा के लिए, उसे हमेशा के लिए तड़पाया नहीं जा सकता, हमेशा के लिए का मतलब ऐसा नहीं है पूरा, सारे समय के लिए। अनंतता हमेशा के लिए होती है, अनंतता... जिसका कोई आदि या अंत नहीं होता है। लेकिन *अधिक समय के लिए* है "समय की एक अवधि होती है।" बाईबल ने कहा, "हमेशा के लिए और," संयोजन, "हमेशा के लिए।" योना ने कहा कि वह व्हेल मछली के पेट में था "अधिक समय के लिए।" समय की एक अवधि है।

228 लेकिन, देखो, केवल एक ही अनन्त जीवन है, और वह है परमेश्वर। और यदि आपको हमेशा के लिए तड़पाया जाना है, और आप कभी नहीं मर सकते, तो आपके पास अनन्त जीवन है। आपको हमेशा के लिए तडपाया नहीं जा सकता... आपको हो सकता है दस करोड़ वर्षों तक तडपाया जाये, परमेश्वर और पवित्र दूतों की उपस्थिति में, आग और गंधक के साथ। मैं नहीं जानता कि यह कब तक नियुक्त किया गया है। लेकिन अंत: इसका अंत होना ही है क्योंकि इसकी शुरुआत हुई थी। और केवल परमेश्वर के पास ही अनन्त जीवन होता है। "वो जो मेरे वचनों को सुनता है, और उस पर विश्वास करता है जिसने मुझे भेजा है," *अधिक समय* का जीवन नहीं है, "उसके पास अनन्त जीवन है।" वह जीवन जो शुरू होता है, नहीं आगे *यहाँ* कुछ भी नहीं है। लेकिन वहां से ऊपर तक, अनन्त जीवन, *ज़ोई,* परमेश्वर का खुद का जीवन नीचे आता है और मनुष्य में रहता है, और वह परमेश्वर के पास अनन्त है, और मर नहीं सकता। यही है जो वचन ने कहा।

229 इस पर सोचे। क्या वहां दो अनंत जीवन हैं? आप इसका उत्तर नहीं दे सकते, क्या आप दे सकते है? वहां एक अनन्त जीवन है, और वह है परमेश्वर का जीवन। यह दूसरी तरह का जीवन है, कोई फर्क नहीं पड़ता यह क्या है, इसका अंत हुआ है। और जिस चीज की शुरुआत हुई थी उसका अंत है। लेकिन किसी भी चीज की शुरुआत नहीं थी उसका कोई अंत नहीं है। और परमेश्वर ने कहा कि वह हमें अनन्त जीवन देगा, बिना शुरुआत का, हमें बस उसका एक भाग बनाया गया था। और असल में जो जीवन हम में है, ये मनुष्य प्रकृति के द्वारा यहां नहीं लाया गया था। प्रकृति हमें एक आत्मा देती है, लेकिन वह आत्मा मर गई, और हमने परमेश्वर की आत्मा पाई है। परमेश्वर की महिमा हो!

230 क्या परमेश्वर एक मनुष्य था? निश्चिय ही। "आओ हम मनुष्य को अपने स्वरुप में बनाएं।" परमेश्वर क्या था? एक दैविक शरीर, एक देह। और वहां मनुष्य को वैसा ही बनाया गया था, और उसे वाटिका के ऊपर रख दिया गया। लेकिन चेतनाओ में, मिट्टी जोतने वाला कोई मनुष्य नहीं था। फिर उस ने धरती की मिट्टी से मनुष्य की सृष्टि की, और पशु जीवन में, और उस मनुष्य ने भूमि को जोता। और वो मनुष्य अपराध के कारण गिर गया। सही तरह से। और परमेश्वर, दैविक शरीर, नीचे आकर और देहधारी हुआ, और मनुष्य को छुड़ाने के लिये हमारे बीच में डेरा किया।

231 सो ऐसा कुछ नहीं है जो आप कर सकते हैं। आप आरंभ से ही पापी है। आपने अधर्म में आकार लिया हैं। आप पाप में जन्में, झूठ बोलते हुए संसार में आये। आप यहां इस दुनिया में अपने पिता और माता की यौन इच्छा के द्वारा जन्मे थे। और आप उतने ही नरक से बंधे हुए हैं जितने आप हो सकते हैं, मैं परवाह नहीं करता कि आप क्या करते हैं। आप हो सकता है कभी झूठ नहीं बोलते हो, चोरी नहीं करते हो; सब आज्ञाओं को मानते हो और सब कुछ मानते हो; और आप नरक चले जायेगे, जैसे निश्चित रूप से एक पक्षी अपने घोंसले में जाएगा। लेकिन एक ही जरिया है कि आप कभी फिर से जी सकते हैं, वह है पवित्र आत्मा, परमेश्वर के अनन्त जीवन को स्वीकार करना।

232 आपको क्या बनाया जो आप हैं? आदि में, जब पवित्र आत्मा धरती के ऊपर मंडराया, तो वहां ज्वालामुखी विस्फोट के अलावा और कुछ नहीं था। एक छोटा सा ईस्टर फूल ऊपर आता है। परमेश्वर ने कहा, "यह सुंदर लग रहा है। बस मंडराते रहो।" फूल ऊपर आते हैं। घास ऊपर आती है। पेड़ ऊपर आते हैं। पक्षी मिट्टी में से उड़ने लगे। जानवर ऊपर आते हैं। एक मनुष्य ऊपर आता है।

233 अब, यह कैसे किया गया? पवित्र आत्मा के मंडराने के द्वारा, इन वस्तुओ को एक साथ लाते हुए, पोटेशियम, कैल्शियम; फूलो को बनाते हुए, जानवरों को बनाते, आपको बनाते हुए।

234 और अब, आपके पास एक खुला विकल्प है। परमेश्वर आपके लिए वापस मंडराता है, और कहता हैं, "मेरी आवाज़ सुनो? अपने हृदय को कठोर न करो, जैसा कि क्रोध दिलाने के दिनों में किया था।" यहाँ वह नीचे आता है, वचन को प्रचार करता है।

"सुसमाचार उनके लिए प्रचार किया गया था... जिन्हें इसमें विश्वास नहीं था, इसलिए इससे उनका कोई भला नहीं हुआ।" उन्होंने इसे सुना, लेकिन उन्होंने इस पर विश्वास नहीं किया।

235 परमेश्वर नीचे उतर आया। उसने उन्हें एक अग्नि के खंभे को दिखाया। उसके नबी के द्वारा चिन्ह और अद्भुत कार्यो को दिखाया, कि वह उसके साथ था। उन्होंने इसका विश्वास नहीं किया। ओह, उन्होंने अद्भुत कार्यो को देखना पसंद किया। उन्होंने नबी को सुनना पसंद किया। लेकिन जहां

तक इस पर विश्वास करने की बात है, उन्होंने विश्वास नहीं किया। उनके जीवन साबित करते है कि उन्होंने नहीं किया।

236 "अब," उसने कहा, "तुम अविश्वास के उसी उदाहरण के सामने मत गिरना।" क्योंकि इस अन्तिम दिन में, अन्यजातियों की कलीसिया के लिए, परमेश्वर फिर से प्रकट हुआ है; वही चिन्ह, वही अद्भुत कार्य, वही अग्नि का खंभा, प्रमाणित हुआ है, साबित हुआ है। आइए हम अपने हृदय को कठोर न करें और अविश्वास के उस लुभाव में वहां वापस न गिरे, क्योंकि हम धरती पर सड़ जायेगे और यही सब कुछ होगा।

237 और जब पवित्र आत्मा आपके हृदय पर खटखटाता है, [भाई ब्रंहम पुलपिट पर खटखटाते है—सम्पा।] "फिर इतने दिन के बाद आज जब तुम मेरी आवाज़ सुनो, तो अपने हृदय को कठोर मत करना।" कहता है, "मेरे बच्चो, यह वो सत्य है।" संदेशवाहक को मत देखो। संदेश को सुनो। इसे विश्वास करो। "अपने हृदय को कठोर न करो, जैसा कि क्रोध दिलाने के दिनों में किया था।"

238 जब वो आपकी आवाज को सुनता है, "अपने हृदय को कठोर मत करो।" तब आप कहते हो, "हाँ, प्रभु, मैं विश्वास करता हूँ।" तब आप जीवन में प्रवेश करते हैं, पवित्र आत्मा आप में आता है। आपका पुराना आत्मा मरने लगता है, जो आपको लोभ और घृणा, और द्वेष और बैर करने को लगाता है, और—और नफरत और वे सारी चीजे, मरती जाती हैं। और आप प्रेम, आनंद, शांति, विश्राम से भर जाते हैं। कोई फर्क नहीं पड़ता कितनी भी हवा चले, कोई बात नहीं।

मेरा लंगर उस पर्दे के भीतर लगा है।
हर एक तेज और तूफानी आंधी में से होते हुए,
मेरा लंगर उस पर्दे के भीतर लगा है।

क्योंकि उस मसीह, जो मजबूत चट्टान है, मैं खड़ा हूं;
बाकी की सारी भूमी धंसती हुई रेत है।

239 वहां आप हैं। एडी पेरोनेट, जैसा कि उसने उस प्रसिद्ध गीत को लिखा। सारी अन्य भूमि, सारे संप्रदाय, सारे संस्था, सारे मत–सिद्धांत, मिटते जाते हैं। मसीह!

आप कहते है, "ठीक है, मैं बाइबल को जानता हूँ।" बाईबल को जानने से आपके पास जीवन नहीं होता है।

"मैं अपने धार्मिक शिक्षा को जानता हूं।" आपके धार्मिक शिक्षा को जानने से आपके पास जीवन नहीं होता है।

"ठीक है, मैं एक मसीही हूं।" मसीहत को दावा करने से आपके पास जीवन नहीं होता है।

240 उसे जानने के द्वारा आपके पास जीवन होता है। उसे जानने से, आपके पास जीवन होता है। "तब आप उसके विश्राम में प्रवेश करते हो। आप अपने कामो से पूरा करते है, जैसा परमेश्वर ने अपने कामों से किया।" आपको परमेश्वर का पुत्र बनाया है, परमेश्वर का भागीदार। और यदि—यदि वह पवित्र आत्मा आपसे प्रीती करता है, और आप वापस प्रीती करके, कहते है, "हाँ, प्रभु," या प्रेम पूर्वक बोलते है।

241 प्रेम पूर्वक, "हे सब परिश्रम करने वालों और बोझ से दबे लोगों, मेरे पास आओ। मैं तुम्हें विश्राम दूंगा।"

242 और आप कहते हैं, "आह, मैं जवान हूँ। मैंने... ओह, मेरा पास्टर नहीं... मुझे बस इतना करना है... " देखा? आप इसे कभी भी नहीं पाएंगे।

243 लेकिन जब आप कहते हो, "हाँ मेरे प्रभु। मैंने आपकी आवाज को सुना है। मैं अपने ह्रदय को कठोर नहीं करता हूँ। मैं परवाह नहीं करता, प्रभु, यह आपका वचन है और मैं आप पर विश्वास करता हूँ। मुझे ले लीजिये, यीशु, 'मैं जैसा भी हूं, बिना किसी एक तर्क के, लेकिन आपका लहू मेरे लिए बहाया गया था। और वहाँ मैं प्रतिज्ञा करूँगा, "मैं विश्वास करुंगा।" हे परमेश्वर के मेमने, मैं आता हूं।'" उसके मरते हुए सिर पर अपने हाथ को रखे, कहे, "प्रभु, मैं एक पापी हूं, और आपने मुझे बुलाया है।"

244 "जिस किसी को पिता ने मुझे दिया है वो सब मेरे पास आयेंगे, और मैं उसे अंत के दिनों में जिला कर खड़ा करुंगा।"

245 "हाँ, प्रभु, मैं आया हूँ। मैं अपने ह्रदय को कठोर नहीं करता हूं, जैसा कि उन्होंने क्रोध दिलाने के समय किया था, मैं सचमुच विश्वास करता हूँ।"

246 फिर वो क्या करता है? वह आपको अपना जीवन, *जोई*, अनन्त जीवन को देता है। और यदि परमेश्वर हमें धरती की मिट्टी में से उठा सकता है, जहां से हम आए हैं... क्या हम मिट्टी से आए हैं? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] जो कुछ भी आप देखते हैं, वह मिट्टी से आया है। और यदि परमेश्वर मुझे वह बना सकता है जो मैं आज हूं, बिना किसी चुनाव के; सिर्फ इसलिए कि उसकी इच्छा मुझे बनाने की थी, और मुझे

कलवरी का सामना करने और अपने निर्णय को लेने का सौभाग्य देना था; और मैं ने अपना निर्णय ले लिया और उस पर विश्वास किया; वो मुझे और कितना अधिक ऊपर लायेगा! यदि उसने मुझे वो बनाया जो मैं हूं, बिना किसी चुनाव के, तो मैंने एक चुनाव को किया और उसे अंदर ले लिया; जब उस ने खुद पर अपने हाथ को रखा, और अपनी ही शपय खाई, कि वो अन्तिम दिन में मुझे उठा कर खड़ा करेगा। तो मैं निश्चिंत रहूंगा।

247 मेरे पास विश्राम है, इसलिए नहीं क्योंकि मैं रविवार को आराधना करता हूं, इसलिए नहीं कि मैं सब्त के दिन आराधना करता हूं। उसका इसके साथ कुछ लेना–देना नहीं है। मैं आराधना करता हूं क्योंकि मैंने उसकी शांति और विश्राम में प्रवेश किया है: शांति, विश्राम, प्रेम, आनंद। तूफानों को आने दो; मेरा लंगर लगा हुआ है।

248 क्या आपको आज रात वो अनुभव मिला है, मेरे मित्र जो यहाँ इस गर्म आराधनालय में बैठे हुए हैं? आप मुझे सुनने के लिए नहीं आए। नहीं। आप वचन सुनने आये हैं। सुनना, मेरे मित्र।

249 अब यदि आपको वह विश्राम नहीं मिला है, तो आप इसे ठीक अभी पा सकते हैं। आपको यहां वेदी पर आने की आवश्यकता नहीं है। आप जहां हैं वहीं बैठे रहे। सच्चे बने रहे, और कहे, "मसीह, बस मेरे हृदय से बात कीजिये। मैं जानता हूँ कि यह गर्मी है। मैं—मैं बस पूरी तरह पसीने से लथपथ हूँ। मैं बहुत अधिक हूं। लेकिन, परमेश्वर, वास्तव में, हो सकता है मुझे दर्द से पसीना आये, जो इससे भी बदतर हो, इससे पहले सुबह हो।"

और डॉक्टर अपना सिर हिलाकर कह सकता है, "यह दिल का दौरा पड़ा है। वह जा चुका है।" तब क्या?

250 तब क्या? जब वो महान किताब खोली जाती है, तब क्या? क्या आपने वो गाना सुना, *तब क्या?* "जब वे लोग जो संदेश को अस्वीकार करते है, उनसे कारण बताने के लिए पुछा जाएगा, तब क्या? " तब क्या? अब इसके बारे में वास्तव में गहराई से सोचे।

251 जब हम अपना सिर झुकाते हैं, इसके बारे में सोचें।

> जब वे लोग जो आज रात इस संदेश को अस्वीकार कर रहे हैं,
> आपसे कारण बताने के लिए पुछा जाएगा, तब क्या?

तब क्या? तब क्या?
जब वो बड़ी किताब खोली जाती है, तब क्या?
जब वे लोग जो आज रात इस संदेश को अस्वीकार
कर रहे हैं,
आपसे कारण बताने के लिए पुछा जाएगा, तब क्या?

252 स्वर्गीय पिता, अब यह सब आपके हाथ में है। यहाँ वो सच्चा सब्त लोगों के सामने रखा गया है। यहाँ वो परमेश्वर का दूत है, पिछले कुछ वर्षों से लेकर, जिसने संसार भर में विस्फोट किया है। निंदा करने वाले और बाकी हर एक चीजों ने इसे दोषी ठहराने की कोशिश की है। लेकिन, हर समय, आप खुद को परमेश्वर साबित करते हैं।

253 वैज्ञानिक संसार, कलीसिया का संसार; क्या वे अंधे हैं, प्रभु? हो सकता है कि आज रात यहाँ कोई एक हो जो अपनी दृष्टि को पाना चाहेगा, ताकि उस पर चले, और परमेश्वर की परीक्षा नहीं करे, जैसा क्रोध दिलाने के दिनों में किया था; ना ही उसकी परीक्षा लेने की कोशिश करे, रविवार को अच्छा बना रहे, या किसी एक दिन को माने, या किसी एक संस्था को, या किसी एक कलीसिया से संबंधित होना। लेकिन बाहर आकर और हृदय का खतना करवाना, और पवित्र आत्मा को पाना चाहते हैं। और वे उसे चाहते हैं। अब विश्वास के द्वारा, वे उसे अपने हृदय में स्वीकार करने की कोशिश करते हैं। वे आपके साथ अनुग्रह पाने की कोशिश कर रहे हैं, प्रभु।

254 ओह, हो सकता है कि उन्होंने अन्य जुबानो में बोला हो। उन्होंने हो सकता है चिल्लाया होंगा। उनके पास अब भी वही पुराना स्वभाव है। उनके पास अब भी वही पुराना कपट है। वे अब भी बक–बक और बात करते हैं, और उन कामो को करते हैं जो उन्हें नहीं करने चाहिए। वे ऐसा नहीं चाहते, प्रभु। तब क्या, जब वो महान किताब खुलती है, जिसने कहा, "ऐसे लोग राज्य में प्रवेश नहीं करेंगे"? "इसलिए चाहिए कि जैसा तुम्हारा स्वर्गीय पिता सिद्ध है, तुम सिद्ध बनो।" कुछ भी कम होने पर अंदर नहीं जायेंगे। क्या वे पूरी तरह से भरोसा करते है, आज रात, क्रूस पर चढ़ाए जाने में? यदि नहीं, प्रभु, होने पाए वे उस एक को अनन्त बनाये "हां" ठीक अभी।

255 कहे, "प्रभु, मैं... ना ही कोई भावना में आकर, लेकिन बस हृदय में कुछ तो ऐसा महसूस होता है, कि कोई तो मुझसे कह रहा है, 'मैं इसे ठीक अभी आपके अनुग्रह के द्वारा कर सकता हूँ।' और मैं अब आपको अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करता हूँ। मैं—मैं संसार की सारी चीजों को अस्वीकार करता हूं, और मैं आपके विश्राम में प्रवेश करना चाहता हूं। और मैं विश्वास करता हूँ मैं इसे ठीक अभी कर रहा हूं। मैं विश्वास करता हूँ कि पवित्र आत्मा मुझे ठीक उस स्थान पर ला रहा है।"

256 जबकि हर एक सिर झुका हुआ है। क्या ठीक अभी किसी को ऐसा महसुस होता है? अपना हाथ ऊपर उठाये, "पवित्र आत्मा अब मुझे एक ऐसे स्थान पर ला रहा है जहाँ मैं अब और इधर–उधर की बात नहीं करूंगा।" परमेश्वर आपको आशीष दे। "मैं उन चीजों को नहीं करूंगा। मेरा वो स्वभाव चला गया है। मैं अब से लेकर शांति और आनंद और सहनशीलता में जी सकता हूं। मैं विश्वास करता हूँ कि परमेश्वर ठीक अभी मुझसे बात कर रहा हैं, कि मैं इस समय से उसके अनुग्रह के द्वारा इसे कर सकता हूं।" क्या आप अपने हाथो को उठाएंगे? परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर उस युवा महिला को आशीष दे। कोई और है? "मैं अब विश्वास करता हूँ।"

257 उसकी परीक्षा मत लेना, जैसा कि क्रोध दिलाने के दिन किया था। यह मत सोचना क्योंकि हम रविवार को कलीसिया जाते हैं, या सब्त को मानते हैं। पौलुस ने कहा, "तुम जो दिन या चाँद, या इत्यादि को मानते हो, मैं तुमसे चिंतित हूँ। आने वाली अच्छी चीजो की व्यवस्था की छाया, और ना ही उसी चीज की छवि, आराधना करने वालो को कभी भी सिद्ध नहीं बना सकती।" लेकिन मसीह आपको सिद्ध बनाता है, परमेश्वर की दृष्टि में सिद्ध। वह आपके पापों को ले लेता है, आपसे दोष को ले लेता है, आपको अपने प्रेम और आनंद को देता है।

258 क्या आप अब विश्राम में प्रवेश करेंगे? कोई एक और उसके हाथ को उठाकर, कहे, "मैंने ऐसा किया है।" परमेश्वर आपको आशीष दे, युवा महिला, यहाँ जो मेरी बाईं ओर है। परमेश्वर उस पुरुष को आशीष दे जो मेरे दाहिनी ओर बैठा है। उसके विश्राम में प्रवेश करते हुए, अब इसके बारे में सोचें।

259 प्रार्थना करे, "मैं जैसा भी हूं, प्रभु, बिना एक बहाने के; मैं अच्छा नहीं हूँ। मैं आपको कुछ भी अर्पण नहीं कर सकता, सिवाय बस मेरे पुराने, थके हुये, पापी जीवन के। क्या आप मुझे ग्रहण करेंगे? साफ़ करेंगे? मुक्त करेंगे? क्योंकि, मैंने प्रतिज्ञा की थी कि मैं विश्वास करूंगा। हे परमेश्वर के मेमने, मैं आया हूं। मैं अब इस विश्वास के साथ आया हूं कि अब मैं मृत्यु से पार होकर जीवन में प्रवेश कर चुका हूं। क्योंकि, ठीक यहीं मेरी कुर्सी पर, मैंने आपको अपने उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया है और मैं अपने हृदय में शांति को महसूस करता है।"

260 पांच लोगो ने उनके हाथ को ऊपर उठाया हैं। क्या कोई और है, जो ऐसा महसूस करता है, अपने हाथ को उठाएगा? यदि आप एक मसीही नहीं हैं, तो उसे बस अभी स्वीकार करें।

261 यदि आप एक मसीही होने का दावा करते हैं और उस तरह से नहीं रहे हैं, तो आप अब भी एक पापी हैं, कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपने—आपने जीवन क्या किया है, या आप खुद को कैसे बनाने की कोशिश करते हैं। आप जो करते हैं स्वीकार नहीं किया गया है। यह तो उसने किया है। आपकी खुद की धार्मिकता को स्वीकार नहीं किया जाएगा। यदि आपने सिर्फ इसलिए धूम्रपान छोड़ दिया क्योंकि आपने कहा, "खैर, मेरे लिए बेहतर है धूम्रपान को छोड़ दूँ क्योंकि मैं मसीहत को मानता हूँ," परमेश्वर इसे स्वीकार नहीं करता है। यदि आप महिलाओं के प्रति अभिलाषा को छोड़ते हैं, सिर्फ इसलिए कि आप खुद से ऐसा कर रहे हैं, परमेश्वर इसे स्वीकार नहीं करता हैं। यह कुछ तो आप करते हैं। वह काम करता है। यह अनुग्रह है जो आपको बचाता है। क्या परमेश्वर ने आपके पास आकर और आप में से सम्पूर्ण चीज को निकाल लिया है? यही वो अगली चीज है।

262 आप कहते है, "मैं कलीसिया में जुड़ गया हूँ, और इसलिए मुझे इन चीजों को छोड़ना था।" परमेश्वर ने इसे स्वीकार नहीं किया, आप कुछ भी अर्पण नहीं कर सकते। वो केवल वही स्वीकार करता है जो मसीह देता है। वह आपको अनन्त जीवन देता है, और इसे आपसे लेता है। क्या आप इसे ग्रहण करेंगे?

... तूफानी, प्रचंड समुद्र पर,
आओ, अपने प्राण को विश्राम के बंदरगाह में लंगर करे,
और कहे, "मेरा प्रिय मेरा है।"

मैंने अपने प्राण को लंगर किया है...

तो ठीक है, आप अपने सिर को ऊपर उठा सकते हैं। संदेश अब खत्म हुआ है। आईये हम अब आराधना करे।

मैं फिर प्रचंड समुद्र में यात्रा नहीं करुंगा;
वो आंधी हो सकता है फैलकर प्रचंड हो जाए, गंभीर तूफान,
यीशु में मैं हमेशा के लिए सुरक्षित हूँ।

263 अब हर एक जन, आराधना में रहे।

मैंने अपने प्राण को विश्राम के बंदरगाह में लंगर किया है, (सब्त)
मैं फिर प्रचंड समुद्र में यात्रा नहीं करुंगा;
वो आंधी हो सकता है फैलकर प्रचंड हो जाए, गंभीर तूफान,
यीशु में मैं हमेशा के लिए सुरक्षित हूँ।
मुझ पर चमके,...

बस अपने आप को ढीला छोड़े। अपनी आँखो को बंद करें। उस मधुर आत्मा को महसूस करे? यही आराधना है। संदेश समाप्त हुआ है। यह आराधना है।

प्रकाश के भवन से वो प्रकाश मुझ पर चमके,
हे मुझ पर चमक, हे प्रभु, मुझ पर चमक,
प्रकाश के भवन से वो प्रकाश मुझ पर चमके,

264 कितने लोग वास्तव में अच्छा महसूस करते है? अपना हाथ ऊपर उठाये। वो मधुर, नम्र आत्मा, ऐसा ही है।

यीशु के समान बनू, बस यीशु के समान बनू,
धरती पर मैं उसके समान बनने की लालसा रखता हूँ;
सारी जीवन की यात्रा के दौरान धरती से महिमा तक,
मैं केवल उसके समान बनने के लिए मांगता हूं...

बस आराधना करे।

इब्रानियों, अध्याय चार HIN57-0901E

(Hebrews, Chapter Four)

इब्रानियों श्रृंखला की किताब

यह सन्देश हमारे भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में रविवार शाम, 1 सितंबर, 1957 को, ब्रंहम टेबरनेकल, जेफ़रसनविले, इंडियाना, संयुक्त राज्य अमेरिका, में प्रचारित किया गया। जिसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोइस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बांटा गया है।

HINDI

©2022 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org